संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -299 शनिवार , 02 सितम्बर 2023, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत का पहला सूर्य मिशन लॉन्च को तैयार

इसरो अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य-एल 1 को लॉन्च करेगा आज

» दोपहर 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा लॉन्च

» इस मिशन से भारत सूर्य का करेगा अध्ययन, वैज्ञानिकों के लिए खुलेंगे संभावनाओं के नए द्वार

श्रीहरिकोटा,01 सितम्बर 2023(ए)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य-एल1 को लॉन्च करने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। इस मिशन को दो सितंबर यानी शनिवार को दोपहर 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। भारत के इस पहले सौर मिशन से इसरो सूर्य का अध्ययन करेगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने सूर्य मिशन की तैयारी पूरी कर ली है। इस मिशन को दो सितंबर यानी शनिवार को दोपहर 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से आदित्य-एल1 मिशन को लॉन्च किया जाएगा। भारत के इस पहले सौर मिशन से इसरो सूर्य का अध्ययन करेगा।

आदित्य एल-1 को अंतरिक्ष में लैग्रेंज प्वाइंट यानी एल-1 कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद यह ये सैटेलाइट सूर्य पर होने वाली गतिविधियों का 24 घंटे अध्ययन करेगा। एल-1 सैटेलाइट को पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर स्थापित किया जाएगा।

सौर मिशन की लांचिंग से पहले चेंगलम्मा मंदिर पहुंचे इसरो प्रमुख

आदित्य-एल1 मिशन के प्रक्षेपण से पहले इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने शुक्रवार सुबह सुल्लुरुपेटा में श्री चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर पहुंचे। उन्होंने देश के पहले सौर मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए इसरो प्रमुख ने कहा कि शनिवार सुबह 11.50 बजे आदित्य मिशन को लांच किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आदित्य को लैग्रेंज प्वाइंट (एल-1) तक पहुंचने में 125 दिन लगेंगे। चंद्रयान-3 मिशन के बारे में सोमनाथ ने कहा कि इस मिशन के तहत सब कुछ सही तरीके से काम कर रहा है। सोमनाथ ने चंद्रयान-3 मिशन की पूर्व संध्या पर भी मंदिर पहुंचे थे।

वैज्ञानिकों के लिए खुलेंगे संभावनाओं के नए द्वार

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद इसरो ने अब सूरज के राज खोलने की भी तैयारी कर ली है। आदित्य-एल1 अंतरिक्ष में एक स्पेस स्टेशन की तरह काम करेगा। भारत में अब तक वैज्ञानिक सूरज का अध्ययन ऑब्जर्वेटरी में लगी दूरबीनों के जरिए कर रहे हैं। इसकी कई सारी सीमाएं हैं। आदित्य रा मिशन की सफलता के बाद वैज्ञानिकों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे।

इसरो आज लॉन्च करेगा भारत का पहला सूर्य मिशन

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य-एल1 मिशन को लॉन्च करने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। इस मिशन को दो सितंबर यानी शनिवार को दोपहर 11 बजकर 50 मिनट पर श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा।

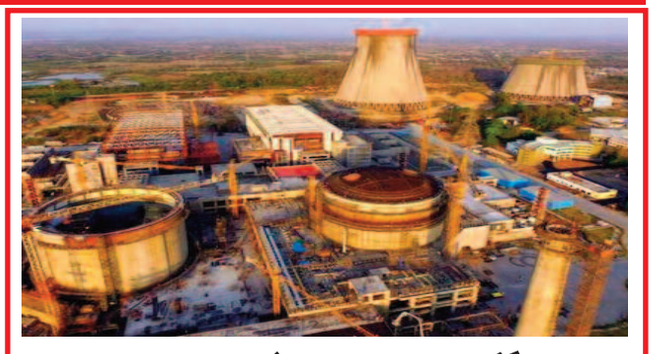

भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की!

» इस राज्य में पहला स्वदेशी न्यूक्लियर पावर प्लांट हुआ शुरू

» पीएम ने वैज्ञानिकों व इंजीनियरों दी बधाई

गांधीनगर,01 सितम्बर 2023(ए)।

गुजरात में भारत का पहला स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। इस पहले स्वदेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र काकरापार परमाणु ऊर्जा परियोजना ने बिजली उत्पादन आरम्भ कर दिया है। पावर प्लांट आरम्भ होने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने खुशी जताते हुए गुरुवार को कहा कि गुजरात के काकरापार स्थित परमाणु विद्युत परियोजना की इकाई-3 ने पूरी क्षमता के साथ संचालन शुरू कर दिया है। उन्होंने इसे एक और उपलब्धि बताया और इसके लिए वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई दी। केएपीपी-3 अपनी तरह का 700 मेगावाट क्षमता का प्रथम स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर है। इसे भारतीय वैज्ञानिकों और अभियंताओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है।

प्रधानमंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की। गुजरात में 700 मेगावाट क्षमता वाले पहले सबसे बड़े स्वदेशी काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र की इकाई-3 ने पूरी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर दिया है। हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई।

मुंबई के ताज होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई,01 सितम्बर 2023(ए)।

महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित होटल ताज को फोन पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसके बाद हड़कंप मच गया है। मुंबई पुलिस ने अनुसार, फोन करने वाले शख्स ने धमकी भरे कॉल में दावा किया कि दो पाकिस्तानी मुंबई पहुंचेंगे और ऐतिहासिक ताज होटल को उड़ा देंगे। फोन करने वाले ने अपना नाम मुकेश सिंह बताया। हालांकि, एक जांच से पता चला कि उसका असली नाम जगदंबा प्रसाद सिंह है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा का रहने वाला 35 वर्षीय व्यक्ति है, और वर्तमान में मुंबई के सांताक्रूज इलाके में रहता है। मुंबई पुलिस ने ममाले में जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि इससे पहले साल 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में होटल ताज पर आतंकी हमला हो चुका है। इस आतंकी हमले में 166 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। होटल ताज पर हुए इस हमले ने भारत और पाकिस्तान को युद्ध के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया था।

मुंबई हमले में आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ा लिया गया था। जिसके बाद जांच एजेंसियों की पूछताछ में पता चला था कि होटल ताज पर हुए आतंकी हमले के पीछे पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाले आतंकी संगठनों का हाथ था। जिसके बाद अजमल कसाब को 21 सितंबर, 2012 को फांसी दी गई थी।

आप के गोवा प्रमुख को अंतरिम जमानत

पणजी ,01 सितम्बर 2023(ए)। आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष एडवोकेट.अमित पालेकर को मर्सिडीज दुर्घटना मामले में स्थानीय अदालत ने अंतरिम जमानत दे दी है।

2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के मुख्यमंत्री चेहरे पालेकर को आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने बताया कि उनके खिलाफ आरोप हैं कि दुर्घटना होने के बाद मालिक को गिरफ्तार होने से बचाने के लिए एक डमी कार ड्राइवर खड़ा कर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया था। 6 अगस्त को, यहां से लगभग 17 किलोमीटर दूर पोंडा तालुका में बनस्तारी पुल पर पणजी की ओर जाते समय एक तेज रफ्तार मर्सिडीज ने तीन कारों और दो दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी, इससे तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने पत्रकारों को बताया कि कार एक महिला चला रही थी। पुलिस ने महिला मेघना सावरदेकर के पति परेश सिनाई सावरदेकर (48) को गिरफ्तार कर लिया था। बाद में कोर्ट ने दंपत्ति को सशर्त जमानत दे दी।

बेंगलुरु में बुर्का पहने लड़की और दोस्त को 'जय श्री राम' बोलने पर धमकी देने पर गिरफ्तार

बेंगलुरु ,01 सितम्बर 2023(ए)। कर्नाटक पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने बुर्का पहने एक लड़की और उसके दोस्त को 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

आरोपी की पहचान ऑटो चालक नेयाज़ खान के रूप में हुई। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस और तथ्य जांच विंग बेंगलुरु के कोनानकुंटे इलाके में आरोपी को पकड़ने में कामयाब रहे।

पुलिस ने कहा कि नेयाज़ खान के खिलाफ कोई मामला नहीं था और वह सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय था। उसने पुलिस को बताया था कि वीडियो देखकर उसे गुस्सा आ गया और उसने धमकी दे दी। तलघट्टपुरा पुलिस इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बुर्का पहने लड़की और टोपी पहने युवक को 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए दिखाने वाला एक वीडियो वायरल होने के बाद, आरोपी ने उन्हें सोशल मीडिया पर धमकी दी कि अगर उस पोशाक में 'जय श्री राम' का नारा लगाने की हिम्मत की तो उन्हें काट दिया जाएगा।

वीडियो में आरोपी युवकों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि पहले बुर्का और टोपी उतारो, फिर जो कहना है कहो।

'द राइट विंग गाइ' नाम से जाने वाले एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता ने बाद में बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए धमकी भरा वीडियो पोस्ट किया और कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी नाम बदलने की मंजूरी

» अब प्रधानमंत्री संग्रहालय के नाम से जाना जाएगा नेहरू मेमोरियल

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2023(ए)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है।

केंद्र द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम, 1961 में दूसरी अनुसूची में प्रविष्टि 9 में 'संस्कृति मंत्रालय' शीर्षक के तहत, 'नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय' शब्दों के स्थान पर 'प्रधानमंत्रियों का संग्रहालय और पुस्तकालय' शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

इससे पहले, विपक्षी कांग्रेस ने संग्रहालय से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का नाम हटाने के लिए केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की थी और इसे प्रतिशोध की राजनीति का हिस्सा बताया था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था, इससे हमारे लिए कोई समस्या पैदा नहीं होने वाली है। यह केवल उन्हीं के लिए समस्याएं पैदा करने वाला है। ये लोग जो कर रहे हैं, इसका उन पर निश्चित तौर पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन्हें देश के प्रति जवाबदेह होना होगा।

चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर मिला विरल प्लाज्मा

चेन्नई,01 सितम्बर 2023(ए)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर-लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है।

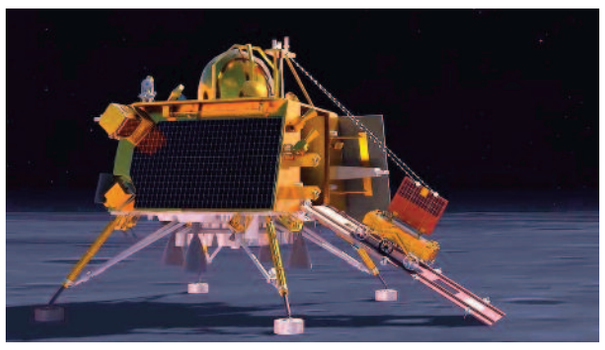

प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं, जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है। इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है।

यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है। रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है।

इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड ने पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मेकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

आईएलएसए पेलोड को एलईओएस, बैंगलोर द्वारा डिजाइन किया गया है और इसे यूआरएससी, बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है।

एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर समिति गठित

» पूर्व राष्ट्रपति कोविंद होंगे अध्यक्ष

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2023 (ए)। केंद्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए एक समिति का गठन किया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इस संबंध में जल्दी ही नोटिफिकेशन जारी किया जा सकता है। दरअसल, सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाने का एलान किया था, जिसके बाद से ही यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस पांच दिवसीय सत्र के दौरान सरकार 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक पेश कर सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी विधानसभा और आम चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर दे रहे हैं। एक साथ दोनों चुनाव कराने से चुनाव कराने की लागत कम हो जाएगी। सरकार के लिए समय भी बचेगा।संसदीय कार्य मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि जी-20 देशों की मीटिंग के बाद ही विशेष सत्र का एजेंडा तय किया जाएगा। लेकिन अब समिति के गठन के बाद यह कयास और तेज हो गए हैं कि विशेष सत्र 'एक देश एक चुनाव' पर चर्चा के लिए ही बुलाया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को तीसरी बार भेजा समन

अब 9 सितंबर को बुलाया

नई दिल्ली,01 सितम्बर 2023(ए)।

जमीन हड़पने से संबंधित धन शोधन निवारण मामले की जांच में शामिल होने के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नया समन भेजा है। अब, उन्हें ईडी ने 9 सितंबर को बुलाया है। ईडी ने मुख्यमंत्री को यह तीसरा समन भेजा है। पिछली बार अवैध खनन मामले में सीएम सोरेन से उनकी पत्नी के साथ ईडी के रांची स्थित दफ्तर में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की गई थी।

मौजूदा मामले में ईडी ने एक आईएएस अधिकारी समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। 8 जुलाई को मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के आवास पर छापेमारी की गई थी। ईडी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बैंक खाते से जुड़ा एक चेकबुक मिला है। इसके बाद उनका नाम इस केस से जुड़ा। इसके बाद मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया।

एजेंसी ने इनके पास से बड़ी संख्या में फर्जी डीड जब्त किए हैं। इस मामले में आईएएस अधिकारी छवि रंजन पर आरोप लगे थे, जिस वजह से ईडी ने उनके ठिकानों पर छापेमारी की थी और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। यह मामला झारखंड का है, लेकिन इसका असर बिहार और कोलकाता तक है। सूत्रों ने बताया कि आरोपी आजादी से पहले के दस्तावेजों का हवाला देकर और 1932 से फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीनों पर कब्जा करते थे। उन्होंने उस समय से जमीन के मालिकाना हक का दावा किया, जब बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों सहित पूरा क्षेत्र पश्चिम बंगाल था, जिसमें निजी और सरकारी दोनों भूमि शामिल थीं।

जब ईडी ने जब्त किए गए दस्तावेजों की फॉरेंसिक जांच कराई तो पता चला कि सभी दस्तावेज फर्जी थे। जिन जिलों के नाम आजादी से पहले अस्तित्व में नहीं थे, उनका उल्लेख आजादी से पहले के दस्तावेजों के साथ किया गया था और 1970 के दशक के पिन कोड का इस्तेमाल पुराने दस्तावेजों में किया गया था। इन छोटी-छोटी गड़बड़ियों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव समय पर होगा

विपक्षी पार्टियों के नेताओं के इस दावे का कोई आधार नहीं है कि लोकसभा का चुनाव समय से पहले हो सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले कहा कि भाजपा लोकसभा का चुनाव इस साल दिसंबर तक करा सकती है। इसके बाद यही बात बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोहराई। उन्होंने भी कहा कि सरकार मुश्किल में है इसलिए वह जल्दी चुनाव में जा सकती है। ममता और नीतीश कुमार के अलावा कई और नेता अनौपचारिक बातचीत में इस बात की आशंका जता रहे हैं कि भाजपा अगले साल अप्रैल-मई की बजाय इस साल के अंत में चुनाव करा सकती है।

असल में विपक्षी पार्टियां इससे एक नैरेटिव बना रही हैं। सोची समझी योजना के तहत विपक्ष की ओर से यह बात कही जा रही है ताकि विपक्ष के गठबंधन 'इंडिया' पर फोकस बढ़े और उसे गंभीरता से लिया जाए। तभी विपक्ष की ओर से बार बार यह भी कहा जा रहा है कि जब से 'इंडिया' का गठन हुआ है तब से भाजपा परेशान। ममता बनर्जी ने तो रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में कटौती को भी इसी से जोड़ा और कहा कि 'इंडिया' की दो बैठक हुई है और उसी से सरकार कीमतें कम करने लगी। जल्दी चुनाव की संभावना जताना इसी नैरेटिव का हिस्सा है। इसका मकसद यह बताना है कि केंद्र सरकार और भाजपा दोनों विपक्षी गठबंधन की वजह से चिंता में हैं और चाहते हैं कि विपक्ष और मजबूत हो उससे पहले चुनाव करा लिया जाए ताकि उन्हें चुनाव की तैयारी का मौका नहीं मिले।

कई बार समय से पहले चुनाव करा लेना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है। जैसे तेलंगाना में पिछली बार के चंद्रशेखर राव ने समय से पहले चुनाव करा लिया था और जीत गए थे। जैसे गुजरात में 2002 के दंगों के बाद नरेंद्र मोदी समय से पहले विधानसभा चुनाव कराना चाहते थे। लेकिन हर बार यह रणनीति कारगर नहीं होती है। केंद्र के स्तर पर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने छह महीने पहले चुनाव कराया था और हार कर सत्ता से बाहर हो गई थी। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को उसका अनुभव है। दूसरे, नरेंद्र मोदी अपनी सरकार का एक दिन भी जाया करने वाले नेता नहीं हैं। तभी 2019 का चुनाव 2014 के मुकाबले देरी से खत्म हुआ, नतीजे भी देरी से आए और मोदी ने शपथ भी चार दिन की देरी से ली। वैसे भी अगर चुनाव रणनीति के हिसाब से देखें तो भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनाव का जो कैलेंडर बनाया है उसके मुताबिक जनवरी का महीना सबसे अहम है, जब अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का उद्घाटन होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसका उद्घाटन करेंगे और सात दिन तक धार्मिक उत्सव चलता रहेगा। भाजपा पूरे देश में इसका माहौल बनाएगी। उससे पहले इस साल दिसंबर तक सरकार ने 10 लाख युवाओं को रोजगार बांटने का ऐलान किया है, जिसकी प्रक्रिया चल रही है। अगर दिसंबर में चुनाव कराना होगा तो अक्टूबर में आचार संहिता लग जाएगी। ऐसे में सितंबर तक सारी नियुक्ति पत्र बांटनी होगी, जिसकी तैयारी अभी नहीं दिख रही है। नवंबर में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं ।

अगला चुनाव जाति के मुद्दे पर

नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे तब चुनाव लगभग पूरी तरह से सत्ता विरोधी लहर पर लड़ा गया था। भाजपा और नरेंद्र मोदी की प्रचार टीम के सारे नारे सत्ता विरोध वाले थे। मनमोहन सिंह पर कमजोर नेतृत्व का आरोप था तो महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा था। इसके अलावा वह चुनाव उम्मीदों और आकांक्षाओं वाला था। अच्छे दिन के वादे वाला था। उसके बाद के किसी चुनाव में अच्छे दिन की बात नहीं हुई। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी 2019 में पहला लोकसभा चुनाव लड़े और वह पूरी तरह से राष्ट्रवाद के मुद्दे पर था। पुलवामा कांड की पृष्ठभूमि और सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक के नाम पर चुनाव हुआ था। इन दोनों चुनावों में हिंदुत्व का मुद्दा सतह के अंदर अंडरकरंट की तरह था। इस बार के चुनाव में वह मुख्य मुद्दा बनता दिख रहा है और उसके साथ साथ राष्ट्रवाद, मोदी का मजबूत नेतृत्व और भारत के विश्वगुरू होने का नैरेटिव है।

दूसरी ओर 2014 और 2019 के चुनाव में पूरी तरह से बिखरा और किंकर्तव्यविमूढ़ रहा। पर इस बार विपक्ष एकजुट होकर एक साझा नैरेटिव पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। कहने को विपक्षी पार्टियां बता रही हैं कि आम लोग सरकार से नाराज हैं, महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त हैं और इसलिए सत्ता विरोध की लहर है। हालांकि जमीन पर ऐसा कुछ नहीं दिख रहा है। सत्ता विरोध प्रत्यक्ष नहीं दिख रहा है। हो सकता है कि लोगों के मन में नाराजगी हो लेकिन वह नाराजगी भाजपा और मोदी के खिलाफ वोट में कितनी तब्दील होगी यह नहीं कहा जा सकता है। यह बात विपक्ष को भी पता है इसलिए ऊपरी तौर पर सत्ता विरोधी लहर की बात कही जा रही है लेकिन अंदरूनी रणनीति में जाति को मुख्य मुद्दा बनाने की तैयारी होती दिख रही है।

तभी कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां जातियों की गिनती कराने और आरक्षण बढ़ाने की बात कर रही हैं। जातियों की गणना और आरक्षण का दायरा बढ़ाने की बात पर सभी पार्टियों में सहमति है और इस बात पर भी सहमति है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे को हाईलाइट करें। हाल में दो जगह खड़गे ने इससे जुड़े बयान दिए। मध्य प्रदेश में उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो जातियों की गिनती कराएगी। इसके बाद वे तेलंगाना में प्रचार करने गए तो वहां वादा किया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो अनुसूचित जाति का आरक्षण बढ़ा कर 18 फीसदी और अनुसूचित जनजाति का आरक्षण बढ़ा कर 12 फीसदी करेंगे। कर्नाटक में कांग्रेस पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह आरक्षण की सीमा 75 फीसदी तक ले जाएगी। सो, जाति और आरक्षण की जो राजनीति पहले बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा दिखती थी उसका विस्तार मध्य प्रदेश से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक दिखने लगा है।

यह जरूर है कि इस बार भी शुरुआत बिहार से ही हुई है। बिहार की सरकार ने तमाम कानूनी बाधाओं और राजनीतिक अड़चनों के बावजूद जातियों की गिनती कराई है। इसके बाद संभव है कि राज्य सरकार आरक्षण को लेकर कुछ बड़े फैसले करे। मसलन आरक्षण की सीमा बढ़ाई जा सकती है, आरक्षण के भीतर आरक्षण का दायरा बढ़ सकता है, निजी सेक्टर में आरक्षण के बारे में स्टैंड तय किया जा सकता है और न्यायपालिका में आरक्षण का दबाव बढ़ाया जा सकता है। यह सब जातियों के आंकड़े आने के बाद होगा। पारंपरिक अनुमान के मुताबिक बिहार में 54 फीसदी आबादी अन्य पिछड़ी जाति की है। सो, आबादी के अनुपात में आरक्षण बढ़ाने की दिशा में राज्य सरकार बढ़ेगी। वहां से यह मुद्दा पूरे देश में जाएगा और अगले चुनाव का मुख्य मुद्दा बनेगा। भाजपा को इसका अंदाजा है इसलिए केंद्र ने इसके वैधानिक पक्ष पर अपनी राय रखते हुए सुप्रीम कोर्ट में दिए हलफनामे में कहा कि जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है। हालांकि बाद में सरकार ने यह हलफनामा वापस ले लिया, जिससे लगता है कि भाजपा खुद इस मामले में दुविधा में है।

बहरहाल, ऐसा नहीं है कि भाजपा इस राजनीति में बहुत पीछे है। वह पहले से पिछड़ी जातियों और उसमें भी अन्य पिछड़ी जातियों में काम कर रही है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों में अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच भाजपा का वोट आधार बढ़ा है। सीएसडीएस के आंकड़ों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में दबंग या मजबूत पिछड़ी जातियों का 40 फीसदी वोट भाजपा को मिला, जबकि अत्यंत पिछड़ी जातियों का 48 फीसदी वोट भाजपा को गया। धीरे धीरे यह परिघटना मजबूत हुई है। मुख्य रूप से इसके दो कारण हैं। पहला तो यह है कि नरेंद्र मोदी पहले दिन से बहुत व्यवस्थित तरीके से इस बात का प्रचार कर रहे हैं कि वे अत्यंत पिछड़ी जाति से आते हैं। अपनी जाति बताने के साथ साथ वे अपनी सरकार में पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासियों का प्रतिनिधित्व बढ़ाते गए हैं। साथ ही इसकी जानकारी भी सार्वजनिक रूप से देते गए हैं। सो, अत्यंत पिछड़ी जातियों के बीच यह मैसेज गया है कि मोदी ने उनको सत्ता में हिस्सेदारी दी है। दूसरा कारण राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ द्वारा जमीनी स्तर पर किया गया काम है। बिहार, उत्तर प्रदेश या कुछ और हिंदी भाषी राज्यों में पिछले 10 साल में गैर यादव जिन जातियों का उभार देखने को मिला है उसके पीछे कहीं न कहीं संघ और भाजपा की मेहनत है। बिहार और उत्तर प्रदेश में निषाद नेताओं का उभार इसकी मिसाल है। इसके अलावा कुर्मी, कोईरी, राजभर जैसी जातियों की पार्टियां बनी हैं और इन समाजों में सत्ता में हिस्सेदारी की ललक पैदा हुई है। ओबीसी की कमजोर जातियों को ध्यान में रख कर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से साढ़े 13 हजार करोड़ रुपए के विश्वकर्मा योजना की घोषणा की। इसका लाभ लोहार, बढ़ई, नाई, चर्मकार जैसे सामाजिक व आर्थिक रूप से अत्यंत पिछड़ी जातियों को मिलेगा। सो, भाजपा अत्यंत पिछड़ी जातियों में अपनी पकड़ मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है।

देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस राजनीति का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है। इसका कारण यह है कि पिछड़ी जातियों के बीच कांग्रेस अपना आधार पिछले दो दशक से खोती जा रही है। उसका यही आधार प्रादेशिक पार्टियों को गया है, जो आज उसकी सहयोगी हैं। यह कमाल का विरोधाभास है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद भी कांग्रेस को 1996 तक अन्य पिछड़ी जातियों का एक चौथाई यानी 25 फीसदी वोट मिलता रहा था। लेकिन अब वह घट कर 13-14 फीसदी रह गया है। यह सही है कि कांग्रेस को यह वोट बहुत कम मिलता है और भाजपा ने इसमें अपना आधार बढ़ाया है लेकिन कई राज्यों में यह अब भी प्रादेशिक पार्टियों का मजबूत वोट आधार है। हालांकि 2019 आते आते इस वोट में प्रादेशिक पार्टियों को भी नुकसान हुआ है। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में मजबूत पिछड़ी जातियों का समर्थन प्रादेशिक पार्टियों के साथ रहा है लेकिन मझोली और निचली पिछड़ी जातियों का लगभग आधा वोट भाजपा को चला गया है।

ध्यान रहे कुल आबादी में 30 फीसदी अत्यंत पिछड़ी जातियां हैं। यानी पिछड़ी आबादी में आधे से ज्यादा हिस्सा उनका है। इनमें भाजपा ने अपना मजबूत आधार बनाया है। समूचे हिंदी भाषी क्षेत्र में बिहार एकमात्र राज्य है, जहां नीतीश कुमार की पार्टी जदयू का अत्यंत पिछड़ी जातियों में मजबूत आधार है। यही कारण है कि भाजपा को बिहार में नीतीश की जरूरत महसूस होती रहती है। अब गैर यादव दूसरी जातियों के नेताओं के साथ लेकर भाजपा वहां स्वतंत्र रूप से अपना वोट आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है लेकिन उसमें बहुत कामयाबी नहीं मिल पाई है। भाजपा को पता है कि उसे दबंग पिछड़ी जातियों की बजाय कमजोर पिछड़ी जातियों पर काम करना है। विपक्षी पार्टियां भी इसी समूह को लक्ष्य कर रही हैं। सो, यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन पहला दांव चलता है जस्टिस रोहिणी आयोग ने आंखें खोलने वाली रिपोर्ट दी है। उसने बताया है कि आरक्षण का पूरा लाभ दबंग पिछड़ी जातियों को मिला है। देश की 37 सौ जातियों में से नौ सौ से ज्यादा जातियां ऐसी हैं, जिनको एक भी नौकरी आरक्षण के तहत नहीं मिली। अगर इस रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार दायरा बढ़ा कर अत्यंत पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण करे तो वह बड़ा दांव होगा। विपक्षी पार्टियों को उससे पहले अपना दांव चलना होगा।

-अजीत द्विवेदी-

अनेक रूप बदलता राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय चिंतन

देश के प्रति समर्पण की सार्वभौमिक आवश्यकता

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निःसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है। लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है

देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं।

राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती हैद्यजनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादिता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है। भारतीय संविधान में भी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के छोटे-छोटे छिद्रों से राजनीतिक दल अवसर के जो ताने बाने बुनते हैं उससे राजनैतिक एवं ऐतिहासिक प्रति मानव को हमेशा नुकसान ही हुआ है। अब राजनीति में सिद्धांतों की प्रतिबद्धता बहुत निम्न स्तर पर पहुंच गई है जिससे लोकतांत्रिक नीतियों और सिद्धांतों मैं बहुत ज्यादा विसंगतियां पैदा हो चुकी हैं। लोकतंत्र में बहुमत के साथ अधिनायकवाद अवतारवाद सत्ता लोलुपता और जातिगत समीकरणों का गलत तरीके से उपयोग सामंतवादी और लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को जन्म दे सकता है। जातिवादी मतदान की लोकप्रियता वादी मजबूरी के कारण खाप पंचायतों का उदय हुआ है जो पंचायती लोकतंत्र को प्रतिस्थापित कर के मूलभूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के पतन का कारण भी बन सकता है। धर्म तथा धार्मिक प्रथाओं में समानता एवं स्वतंत्रता का हनन धार्मिक लोकतंत्र के अंत का ही स्वरूप है, जिसका कारण तुष्टीकरण आधारित लोकप्रियता वाद एवं अवतारवाद हो सकता है। पशु व्यापार गोवंश के पद पर एकतरफा प्रतिबंध को भी भारतीय लोकतंत्र के समानता स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता के आदेशों पर एक नकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। अवतारवाद जातिवादी राजनीति और पद लोलुपता तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म दे सकते हैं। अति राष्ट्रवादी होने के स्वरूप को ऑन कर तानाशाही की प्रवृत्ति को आम जनता के ऊपर लगना सैनिक तानाशाही अधिनायकवाद तथा फासीवाद को भी जन्म देने की प्रक्रिया के अंग हैं। लोकतंत्र में राजशाही की तरह शासकीय धन का मनमाना दुरुपयोग एक अनैतिकग प्रक्रिया है एवं यह सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने का निम्न स्तरीय हथकंडा भी है। इससे न सिर्फ जनता पर करों का बोझ पड़ता है बल्कि सार्वजनिक रूप से किए जाने वाले जनहित के कार्यों का भी अवरोध बन जाता है। चुनाव में मतदान को प्रभावित करने के लिए टीवी में मोबाइल फोन लैपटॉप आदि का प्रॉब्लम भी लोकप्रियता किंतु आर्थिक दूरदर्शी एवं लोकतांत्रिक न्याय के प्रतिकूल है। बीसवीं सदी के लगभग सभी थाना गांव द्वारा किस प्रकार के सैनिक राष्ट्रवाद द्वारा सस्ती लोकप्रियता पाकर लोकतंत्र को रोकने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान म्यानमार उत्तर कोरिया देशों में व्यापक सुरक्षा हिंसा आतंकवाद पर नियंत्रण की लूट प्रिय तावादी धारणा का प्रयोग सैन्य प्रभाव को बरकरार रखने के लिए रो रहा है।

संजीव ठाकुर, चौबे कालोनी
रायपुर छत्तीसगढ़

अब मानसिक बीमारियां बन रही चुनौती

वैश्विक स्तर पर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम करने के बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि इसे सिर्फ मनोचिकित्सा या इसके आस-पास तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इस दिशा में अब जरूरत है कि जन-जन का प्रयास शामिल हो, जिससे हम स्वस्थ भारत का सपना साकार कर सकें।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को इस दशक के लिए बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषकर कोरोना महामारी के बाद यह और व्यापक होती नजर आ रही है। वैश्विक स्तर पर साल 2020 के बाद से मनोरोगियों का आंकड़ा काफी तेजी से बढ़ा है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि कई विकसित और विकासशील देशों में हर चार में से एक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार के मनोरोग का शिकार है। चिंता-तनाव और अवसाद के केस तेजी से बढ़ रहे हैं, इस खतरे को देखते हुए विशेषज्ञों को चिंता है कि आने वाले 5-8 वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा क्षेत्र पर बड़ा दबाव आ सकता है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में लोगों को जागरूक करने और इस खतरे को कम करने के लिए हर साल विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसे सिर्फ मनोचिकित्सा या इसके आस-पास तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। इस दिशा में अब जरूरत है कि जन-जन का प्रयास शामिल हो, जिससे हम स्वस्थ भारत की कल्पना को चरितार्थ कर सकें।

किसी भी देश के समग्र विकास के लिए लोगों के क्वालिटी ऑफ लाइफ यानी कि गुणवत्तापूर्ण जीवन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसका सीधा संबंध उत्पादकता से है, जो आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण आयाम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि स्कूली स्तर से ही बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किए जाने की आवश्यकता है। इसे पाठ्यक्रम का विषय बनाया जाना चाहिए, जिससे बच्चों में इसकी समझ को विकसित किया जा सके। स्कूली पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य को शामिल कर अगली पीढ़ी को इसके वैज्ञानिक पहलुओं के बारे में जागरूक करने में मदद मिल सकती है, जिससे इस दिशा में चले आ रहे कलंक के भाव को कम किया जा सके। इससे लोगों के लिए इस बारे में बात करना, इलाज प्राप्त करना सहज हो सकेगा, जिससे उत्पादकता को बढ़ाने में भी मदद मिल सकेगी।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फिलहाल भारत में किए जा रहे प्रयासों के स्तर में विशेष सुधार की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत की जनसंख्या जिस रफ्तार से बढ़ रही है, उसी रफ्तार में भारत में मानसिक बीमारी से जूझने वालों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में रह रहे हर 10,000 में से 2,443 लोग मानसिक समस्या से किसी न किसी तरह से ग्रसित हैं। वहीं इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री की ओर से किए गए सर्वे से पता चला है कि देश में औसतन 4 लाख नागरिकों पर 3 ही मनोचिकित्सक हैं, जबकि कम से कम हर 4 लाख की आबादी पर 12 मनोचिकित्सक होने चाहिए। ऐसे में कहा जा सकता है कि भारत में मनोचिकित्सकों की भारी कमी है। आत्महत्या की बड़ी वजहों में से एक खराब मानसिक स्वास्थ्य भी है। भारत में होने वाली आत्महत्याओं के कारणों में मानसिक समस्या तीसरे नंबर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में 13,792 लोगों ने मानसिक बीमारियों से जूझते हुए आत्महत्या की थी।

वहीं 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लगभग 22 लाख 28 हजार मनोरोगी हैं, जबकि लैंसेट की रिपोर्ट कहती है कि भारत में मनोरोगियों की संख्या 16 करोड़ 92 लाख है। एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत की 135 करोड़ की आबादी में 7.5 प्रतिशत (10 करोड़ से अधिक) मानसिक रोगों से प्रभावित हैं। अध्ययन बताते हैं कि 2025 तक भारत की 20 प्रतिशत से भी ज्यादा आबादी किसी न किसी मानसिक रोग से ग्रस्त होगी। 15-29 आयु वर्ग में आत्महत्या की दर भी सर्वाधिक होगी। लगभग एक मिलियन लोग हर साल आत्महत्या करते हैं। इस तरह की बीमारियों की बढ़ती संख्या में अवसाद को तीसरा स्थान दिया गया है, जिसके 2030 तक पहले स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। जहां तक मनोचिकित्सकों का सवाल है तो भारत में एक लाख की आबादी पर 0.3 प्रतिशत मनोचिकित्सक, 0.07 प्रतिशत मनोवैज्ञानिक और 0.07 प्रतिशत सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वहीं विकसित देशों में एक लाख की आबादी पर 6.6 प्रतिशत मनोचिकित्सक हैं। मेंटल हॉस्पिटल की बात करें तो विकसित देशों में एक लाख की आबादी में औसतन 0.04 प्रतिशत हॉस्पिटल हैं, जबकि भारत में यह 0.004 प्रतिशत ही हैं।

भारत अन्य देशों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में अभी पीछे है। दुनिया के ज्यादातर देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 5-18 प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं, जबकि भारत का इस दिशा में खर्च 0.05 फीसदी ही है। इसके अलावा भारत में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की कमी भी बड़ी चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में उचित मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं का भारी अभाव है। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम तो तैयार किए गए हैं, लेकिन वहां की स्थिति ठीक नहीं है। आलम यह है कि तमाम राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों से लोगों को मनोचिकित्सा के लिए राज्य की राजधानी या दिल्ली का रुख करना पड़ रहा है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि कोरोना महामारी के बाद से देश में मानसिक स्वास्थ्य विकारों के केस में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। हालांकि सुविधाओं में इस स्तर पर कोई खास सुधार नहीं हुआ है। टेली कंसल्टेंसी जैसी तकनीक ने लोगों के लिए दूर बैठकर भी परामर्श लेना आसान जरूर बनाया है पर अब भी ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और जागरुकता की कमी के चलते ये सेवाएं शहरी आबादी के इर्द-गिर्द ही घूमती ही नजर आ रही हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आगे का रास्ता संभवतः यह हो सकता है कि लोगों को इस बारे में जागरूक किया जाए कि मानसिक स्वास्थ्य किसी भी अन्य शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं की तरह ही है, इसलिए यह प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली का एक अभिन्न अंग होना चाहिए। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य को मनोचिकित्सा तक ही सीमित करके देखना बेमानी होगा। मानसिक स्वास्थ्य मौजूदा समय की प्राथमिकता भी है और इससे संबंधित विकार बड़ी चुनौती भी। इन दोनों पर बेहतर तरीके से ध्यान देने के लिए आवश्यक है कि इसमें जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया, एनजीओ, जागरुकता अभियानों आदि के माध्यम से लोगों को मानसिक स्वास्थ्य की आवश्यकताओं के बारे में जागरूक किए जाने की जरूरत है, जिससे लोगों के लिए सहजता से इसका इलाज प्राप्त कर पाना आसान हो, लोग एक-दूसरे से अन्य बीमारियों की तरह इस बारे में भी खुलकर बात कर पाएं। स्वस्थ समाज-स्वस्थ भारत का निर्माण तभी किया जा सकेगा, जब देश का बच्चा-बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ होगा। इसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर,राजस्थान

अंतिम राह

जीवन की अंतिम राह में
न कोई अपना चलेगा न पराया
जीवन की अंतिम राह में
न सिद्धियां काम आएगी न ऋद्धियां
जीवन की अंतिम राह में
न कोई तंत्र चलेगा न मंत्र फिरेगा
जीवन की अंतिम राह में
न कोई ह्रास होगा न प्रहास होगा
जीवन की अंतिम राह में
न कोई खुशी होगी न गम होगा

राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

गुरु की अद्भुत महिमा

गुरु बड़ा है जग में सबसे,
सुमिरन करूँ मैं नाम।
भवसागर से पर लगाए,
बना देता बिगड़े काम।।
गुरुवाणी अनमोल रे हंसा,
ज्ञान को करो धारण।
पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति,
अज्ञान हो अवदारण।।
दिव्य प्रकाशमान आत्मा,
भटक रही बन निर्जीव।
गुरु सत्संग जिसको मिले,
बन जायेगा वो सजीव।।
दुनिया माया जाल में बंधे,
गुरु की बात नहीं माने।
कर रहा कुकर्म, दुराचार,
स्वयं अँधा बन अभिमाने।।
जब त्याग दोगे सर्वनाशी घमंड,
धन-दौलत की मोह।
तब गुरुवर बचाने आयेंगे,
उबारने जगत दुर्गम खोह।।
धोकर सभी मन का मैल,
ज्ञानी गुरु का ध्यान लगाओ।
गुरु कर्म के लिखा बदल देंगे,
सत्कर्म से सुख पाओ।।
गुरु मिलने आएगा एक दिन,
ढूँढते तुझे तुम्हारे द्वार।
सरल, सुगम पथ बताने,
मिट जाएगा मन अँधकार।।
शरणागति में मोक्ष प्राप्ति,
बार-बार करो गुरु के वंदन।
गुरु के पैरों की धूल को, तिलक
लगाओ समझ चंदन।।

अशोक कुमार यादव मुंगेली,
छत्तीसगढ़

सैनिकों का सफर

मेरे पड़ोसन के लड़के का,
लगा नौकरी फौज में।
हँसते-हँसते जाने लगा,
वो करने नौकरी शौक में।।
धरती माँ की सेवा को,
वो सदैव तत्पर रहता था।
कश्मीर की सीमा में जाकर,
धूप-सर्दी सहता था।।
दिवस बीते मास बीते,
और बीत गए एक साल है।
एक माह की छुट्टी में,
वो पहुँचा गाँव विशाल है।।
माँ से अपनी लिपट गया,
बूढ़े पिता के हृदय से।
बहन को वो किस्से सुनाते,
धीरे-धीरे रह-रह के।।
मित्रों से वह मिल आया,
और घूम आया गाँवों को।
कश्मीर की मिट्टी को देखो,
बिखेर दिया पाँवों वो।।
गाँव की मिट्टी पवित्र हुआ,
पावन गाँव से कश्मीर है।
गाँव का लाल सीमा पर,
असीम साहसी सा वीर है।।
एक दिवस सूचना आयी,
भारत माता ने बुलायी।
जैसे-तैसे जाने को उद्दत,
गृह में मातम पसरा भाई।।
बिना टिकिट कन्फर्म किए,
जा पहुँचा वह रेल में।
पहले से सूचना होती तो,
योजना बनाते मेल में।।
दो दिवस के सफर में,
उसे जाना सहस्त्रों दूरी है।
रेल के सड़े खाना को,
खाना उसकी मजबूरी है।।
तीस टिकट की बोगी में,
चढ़ा तीन सौ इंसान है।
संडास के पास से लगे,
खड़ा हुआ नौजवान है।।
रात में चैन नही आती,
न दिन में मिलती सोने को।
पाखाना की दुर्गंध बीच,
बचे साहस-शक्ति खोने को।।
भीड़ की धक्का-मुक्की,
चेकर के प्रश्न से लज्जित है।
शासन की निष्क्रियता से,
बेला उदासीन व्यतीत है।।
देश के प्रहरी जनों का,
देखों कैसा यह हाल है ?
जनता भी अनदेखी करे,
न शासन रखती ख्याल है।।
इनके लिए एक डिब्बा हो,
खाने-पीने का ध्यान हो।
जो भी सैनिक जहाँ मिले,
हर किसी का सम्मान हो।।

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा
(छत्तीसगढ़)

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

लकड़ी से मार कर ससुर की हत्या

करने के बाद बहू ने किया जहर सेवन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लालमाटी में गुरुवार की रात एक महिला ने अपने वृद्ध ससुर को लकड़ी से मार कर मौत के घाट उतार दी। इसके बाद खुद वह कीटनाशक सेवन कर ली। सूचना पर कोतवाली पुलिस गुरुवार की सुबह मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार निर्मला एक्का पति बालकिशुन कोतवाली थाना क्षेत्र के लालमाटी की रहने वाली है। वह बुधवार को रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने अपने मायके लुचकी गई थी। राखी बांधकर गुरुवार की शाम को वापस अपने ससुराल आई थी। रात को ससुर 70 वर्षीय बिगू एक्का अपनी बहू से पूछा की तुम मेरे लिए मायके से क्या लाइ हो। इस बात पर बहू बोली की तुम्हारे लिए क्या लाउंगी तुम मेरे लिए आज तक किए ही क्या हो। इस बात को लेकर विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर बहू ने ससुर के ऊपर लकड़ी से मार दी और धक्का दे दी। अंदरूनी चोट लगने से वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। इधर ससुर के मौत के घाट उतारने के बाद महिला अपने मायके वालों को फोन कर जानकारी दी की मेरे ससुर का निधन हो गया है। तुमलोग उसका कफन-दफन करने पहुंचे। सूचना पर मायके वाले बेटी के ससुराल पहुंचे तो मामला कुछ और ही सामने आया।

आरोपी महिला ने अपने ससुर के मौत के घाट उतारने के बाद अपने मायके फोन कर जानकारी दी की मेरे ससुर का निधन हो गया है। सूचना पर मायके वाले पहुंचे तो मामला बेटी द्वारा अपने ही ससुर के मारने की जानकारी मिली। इसके बाद मायके वालों ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। इस दौरान आरोपी महिला अचेत पड़ी थी। पूछताछ करने पर वह जहर सेवन कर लेने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने महिला को डायल 112 से उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया।

चोरी के मामले में जेल में बंद आरोपी पुलिस को चकमा देकर अस्पताल से फरार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सुरक्षा में लगे जेल पुलिस को चकमा देकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक बंदी फरार हो गया। उसे इलाज कराने के लिए अस्पताल ले जाया गया था। लाखों के चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा 6 दिन पूर्व ही गिरफ्तार कर उसे जेल भेजा गया था। जेल प्रशासन ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराया है और सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर दो जेल प्रहरी को निलंबित कर दिया है।

शहर के रिडायर्ड प्रोफेसर के घर से लाखों रुपए के चोरी के मामले में कोतवाली पुलिस ने सूरजपुर निवासी राहुल साहू उर्फ कल्लू कबाड़ी व लखनपुर थाना क्षेत्र के लहपटरा निवासी राहुल पैकरा पिता गजेन्द्र पैकरा को लगभग 6 दिन पूर्व गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया था। राहुल साहू काफी आदतन बदमाश है। वह जेल में मानिकस स्थिति ठीक नहीं होने की शिकायत जेल प्रशासन से की थी। तबियत खराब होने की शिकायत पर जेल प्रशासन द्वारा शुक्रवार को इलाज के लिए अन्य बंदियों व कैदियों के साथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया था। उसे एक अन्य बंदी के साथ हथकड़ी लगाकर रखा गया था। अस्पताल के टीबी वार्ड के पास वह शौच जाने की बात जेल प्रहरी को बताया। जेल प्रहरी उसे शौच जाने के लिए हथकड़ी खोल दिया। वह शौच के लिए गया था। तभी वह चकमा देकर अस्पताल परिसर से फरार हो गया। बंदी को फरार होने की जानकारी लगने पर सुरक्षा में लगे जेल प्रहरियों में हडकंप मच गया। इधर-उधर उसे खोजने की कोशिया की पर कहीं पता नहीं चला। जेल प्रशासन के निर्देश पर फरार बंदी के खिलाफ मणिपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। वहीं जेल प्रशासन ने सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर जेल प्रहरी अनिल एक्का व उपेन्द्र अयाम को निलंबित कर दिया गया है।

आईपीएस भावना गुप्ता को मिला प्रतिष्ठित 40 अंडर 40 आईएसीपी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा व सूरजपुर के पूर्व एसपी भावना गुप्ता जो कि अभी बेमेतरा जिले में पदस्थ हैं उनहें प्रतिष्ठित 40 अंडर 40 आईएसीपी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जो हर साल दुनिया भर में पुलिस सेवा में 40 अधिकारियों को दिया जाता है। इसके साथ ही भावना गुप्ता यह सम्मान पाने वाली राज्य की पहली महिला आईपीएस बन गई हैं। यह पुरस्कार एसपी सूरजपुर और एसपी सरगुजा के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य और नेतृत्व के लिए दिया गया है। विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अन्य महिला केंद्रित पहलों के बीच 2000 से अधिक आदिवासी लड़कियों को व्यापक आत्मरक्षा में प्रशिक्षित करने के लिए यह सम्मान किया गया।

सडक़ दुर्घटना में 9 माह के दुध मुंहे बच्चे व पिता की मौत

घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल

- संवाददाता -
उदयपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अदानी विद्या मंदिर चौक ग्राम साल्ही में ग्राम परसा में अदानी द्वारा संचालित माईस के तरफ से आ रही टेंकर क्रमांक सजी 04 एल डब्ल्यू 2490 एवं बाईक की जबरदस्त भिड़ंत हुई जिसमें बाईक चालक ठाकुर प्रताप सिंह उम्र 40 वर्ष व पत्नी भुनेश्वरी उम्र 38 वर्ष को गंभीर चोंट आई उन्हें उदयपुर स्वास्थ्य केंद्र में उपचार हेतु ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अम्बिकापुर में रिफर कर दिया गया है तथा पुत्र सत्यम उम्र 09 माह का मौके पर ही मौत हो गया बच्चे के शव को पोस्टमार्टम करके परिजनों को शुक्रवार को सुपूर्द कर दिया गया है। ठाकुर प्रताप ग्राम हरिहरपुर से अपने ससुराल खरसुरा रक्षाबंधन के अवसर गये थे गुरुवार को घर वापसी के दौरान यह घटना हुई । जिससे रक्षा बंधन की खुशियां मातम में बदल गई। गुरुवार को सायं सात बजे करीब दर्दनाक सडक़ दुर्घटना हुई थी। उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल ठाकुर प्रताप की मौत शुक्रवार दोपहर 1 बजे करीब जिला चिकित्सालय में हो गया है। पिता पुत्र की मौत की घटना से ग्राम हरिहरपुर साल्ही में शोक का माहौल है। दुर्घटनाकारित वाहन को घटना स्थल से ले जाकर चौकी तारा में पुलिस द्वारा खड़ा करवा कर चालक को हिरासत में ले लिया गया। इस बारे में उदयपुर पुलिस ने बताया की घटना तारा चौकी क्षेत्र का होने की वजह से मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर आगे की कार्यवाही के लिए डायरी तारा चौकी भेजने की बात कही है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत साक्षरता सप्ताह का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
लखनपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा कलेक्टर कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता सप्ताह कार्यक्रम लखनपुर विकासखंड के ग्राम रजपुरी कला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधिक साक्षरता चुनावी साक्षरता, मतदाता जागरूकता, मतदाता में सूची में नाम जोड़ने हेतु फार्म 6 के बारे में विकासखंड परियोजना अधिकारी साक्षरता द्वारा छात्रों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नवभारत साक्षरता नारा लेखन भी कराया गया। गौरतलब है कि सभी के लिए शिक्षा पर केंद्रित योजना उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (NILP)को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)2020 के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2022 - 27 के दौरान

क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।योजना के पांच घटक है।जिसमें बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, बुनियादी शिक्षा, व्यावसायिक कौशल, सतत शिक्षा शामिल है। उक्त कार्यक्रम में जन भागीदारी सुनिश्चित किए जाने एवं वातावरण निर्माण हेतु 1 से 7 सितंबर 2023 तक साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया गया है इसी के तारतम में 1 सितंबर दिन शुक्रवार को प्रथम दिवस उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर केंद्रित जागरूकता कार्यशाला सम्मेलन का आयोजन लखनपुर के रजपुरी कला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल संयोजक अरविंद गुप्ता, कस्तूरबा आश्रम की अधीक्षिका श्रीमती अनुराधा सिंह, श्रीमती दीप्ति एवं समस्त स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

परशुराम सोनी बने ओबीसी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

ओबीसी महासभा के प्रदेश इकाई छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी राधेश्याम द्वारा परशुराम सोनी निवासी चांदनी चैक अम्बिकापुर को आगामी आदेश तक प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी महासभा छत्तीसगढ़ के पद पर मनोनयन किया गया। इसके पूर्व छत्तीसगढ़ सर्राफा एसोसिएशन प्रमुख सलाहकार, सोनार उत्थान समाज पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी, सर्राफा संघ अम्बिकापुर कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्वों का निर्वाहन सक्रिय रूप से कर रहे हैं। परशुराम के प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर इनके समर्थकों एवं ओबीसी समाज में हर्ष व्याप्त है तथा अम्बिकापुर सरगुजा संभाग के प्रदेश सचिव सुभाष साहू, संभागीय अध्यक्ष मनीष दीपक साहू, महासचिव एनपी गुप्ता, संभागीय प्रवक्ता आनंद सिंह यादव, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र साहू, कार्यकारी जिलाध्यक्ष पंकज गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष उपेन्द्र गुप्ता, जिला सचिव अशोक गुप्ता, संजय यादव, विजेन्द्र यादव, सुमीत यादव, सुनील यादव, राजू विश्वकर्मा एवं अन्य साथियों द्वारा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिया गया। परशुराम सोनी रायपुर प्रवास से अम्बिकापुर आने पर समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत किये जाने की तैयारी है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में लेखा प्रशिक्षण शाला द्वितीय सत्र हेतु 7 सितंबर से आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लेखा प्रशिक्षण शाला के प्राचार्य ने बताया है कि संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में लेखा प्रशिक्षण शाला 1 जुलाई से प्रारंभ की गई है।

उन्होंने बताया कि लेखा प्रशिक्षण शाला में द्वितीय सत्र नवंबर 2023 से फरवरी 2024 तक हेतु आवेदन 7 सितंबर से 6 अक्टूबर 2023 तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। उक्त आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित कार्यालय प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण शाला अम्बिकापुर, कन्या परिसर, (महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में निर्धारित समयावधि में जमा कर सकते हैं।

शराब के नशे में पति ने जलती लकड़ी से मारकर पत्नी को उतारा मौत के घाट,गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना के ग्राम केसरा में बुधवार की रात खाना नहीं बनाई तो नाराज पति ने जलती लकड़ी से वारकर मौत के घाट उतार दिया। दोनों शराब के नशे में धूत थे। पति शराब के नशे में इतना बदहोश था कि पत्नी की मौत के घाट उतारने के बाद उसके बगल में ही पूरी रात सोया रहा। सुबह नहीं उठने पर उसे उठाने की कोशिश की पर वह नहीं उठी तब पति को उसकी मौत हो जाने का एहसास हुआ। इधर सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार नईहारो माझी उम्र 45 वर्ष पति पति लक्ष्मण माझी कमलेश्वरपुर थाना के ग्राम केसरा की रहने वाली थी। पुलिस ने बताया कि घटना दिवस को पति-पत्नी दोनों ने शराब का सेवन किया था। रात 9 बजे चूल्हा जल रहा था मगर नशे में होने के कारण पत्नी खाना नहीं बना पाई थी, इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और पति ने चूल्हे से जलती लकड़ी उठा उसके ऊपर वार कर दिया था, संभवत- उसी दौरान पत्नी की मौत हो गई थी, जबकि पति को उसकी मौत हो जाने का एहसास नहीं हो पाया था। सुबह सोकर नहीं उठी तब उसकी मौत हो जाने का पता चला। इधर सूचना पर कमलेश्वरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सहदेव वर्मन, देवदत्त सिंह, विजय सिंह, अमित टोप्पो, निर्मल तिग्गा, सरिता सहित अन्य पुलिस कर्मी सक्रिय रहे।

पत्नी के शव के बगल में सोया रहा पूरी रात

आरोपी पति लक्ष्मण माझी शराब के नशे में इतना धूत था कि पत्नी की हत्या करने के बाद भी उसे पता नहीं चला की उसकी मौत हो गई है। वह पूरी रात पत्नी के शव के बगल में ही सोया रहा। गुरुवार की सुबह जब वह उठाने की कोशिश की तो वह नहीं उठी तब उसे एहसास हुआ की उसकी मौत हो गई है।

अग्रसेन गौ सेवा सदन चठिरमा का नवीन कार्यकारिणी गठित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अग्रसेन गौ सेवा सदन चठिरमा अंबिकापुर की नवीन कार्यकारिणी का गठन 22 अगस्त को राम मंदिर रोड स्थित हरी भजनाश्राम भवन किया गया। कार्यकारिणी में हीरालाल गर्ग को अध्यक्ष, रामनिवास मित्तल एवं जय भगवान गर्ग को उपाध्यक्ष साथ ही जगदीश प्रसाद गोयल को चयन किया गया। अध्यक्ष हीरालाल गर्ग द्वारा अशोक अग्रवाल को सचिव के पद में नियुक्ति की गई।1 सितंबर को गौशाला परिसर में नवीन पदाधिकारीयों ने अपना पदभार ग्रहण कर गौ सेवा करने की जिम्मेदारी संभाली।

सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से आगमी कार्यकाल के लिए

रेणुकूट रेलवे स्टेशन से हुआ रेल जुड़ाव चेतना पदयात्रा का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

रेणुकूट रेल जुड़ाव चेतना पदयात्रा का शुक्रवार को रेणुकूट रेलवे स्टेशन से शुरुआत हुआ। रेल बोर्ड में सदस्य एवं आकांक्षी जिला सोनभद्र के प्रभारी मंत्री के प्रतिनिधि श्रीकृष्ण गौतम ने यात्रा का शुभारंभ करते हुए सरगुजा से जुटे रेल संघर्ष समिति के 80 से अधिक पदयात्रियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों, आमजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह रेल लाईन बहुत ही महत्वपूर्ण है और इसके लिए बजट आवंटन हेतु स्थानीय तीनों सांसदों का साथ लेकर केंद्रीय मंत्री एवं प्रधानमंत्री तक इस बात को पहुचायेंगे एवं हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि इस रेल लाईन को इस बजट में मंजूरी मिले।

पदयात्रा कार्यक्रम को रेणुकूट रेलवे स्टेशन पर संबोधित करते हुए राष्ट्रीय रेल परामशदात्री काउंसिल एनआरयूसीसी रेल मंत्रालय के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम ने कहा कि अम्बिकापुर रेणुकूट रेल लाइन के फाइनल सर्वे का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है इस लाइन की वास्तविक लागत निकल आई है, अब नीति आयोग एवं वित्त मंत्रालय में संपर्क कर बजट में जुड़वाने के लिए और इस सत्र में मामले को उठाकर इस रेल लाइन को जल्द पूरा कराने लिए स्थानीय सांसदों का सहयोग लेंगे। इस अभियान में राज्य सभा सांसद रामसकल, मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद अजय प्रताप एवं लोकसभा के पकौड़ी लाल कोल का भी सहयोग एवं समर्थन प्राप्त है। इन सबके सहयोग से इस रेल लाइन को जल्द से जल्द बजट मिल जाये, इस अभियान में पूरी ताकत से लगेंगे। आगामी दिनों में रेलवे की जो भी मीटिंग होगी मैं पूरी ताकत से इस मांग को उसमें रखूंगा। सोनभद्र के प्रभारी मंत्री एवं केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री के सोनभद्र जिले में प्रतिनिधि बतौर उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री के माध्यम से प्रधानमंत्री तक बात पहुंचाने की भी पहल की जायेगी। मुझे इस अभियान के बाद पूरा विश्वास है की आगामी दिनों में इस रेल लाईन को मंजूरी दिलाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने अम्बिकापुर के पदयात्रियों को साधुवाद देते हुए कहा कि तपती धूप में पदयात्रा कर रहे लोगों के प्रशंसा के लिए कोई शब्द नहीं है और सोनभद्र जिले के लोग भी उनके साथ कंधे से कंधे मिलाकर तैयार है।

उत्तरप्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष राम नरेश पासवान ने कहा कि इस पदयात्रा के माध्यम से जो संदेश दिया जा रहा है, उसके माध्यम से हम सब एकजुट हो इस रेल लाइन हेतु न सिर्फ मांग बल्कि प्रयास करेंगे कि सांसद के सहयोग से यह पूरा हो। सोनभद्र एवं सरगुजा क्षेत्र का भाग्योदय करने वाली लाइफ लाइन होगी। इसमें हम सबका पूरा समर्थन है।

रेणुकूट नगर पंचायत की अध्यक्ष ममता सिंह ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों का साथ एवं सहयोग लेकर इस रेल लाइन की मांग को जल्द से जल्द पूरा कराने हरसंभव प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल संघर्ष समिति के सदस्य एवं बार कौंसिल अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने कहा कि यह रेल लाइन बहुत जरूरी है, इससे जुडने से उत्तरी सरगुजा देश के हर मुख्य रेल लाइन से जुड़ जायेगा, इसमें सरगुजा के साथ-साथ सोनभद्र जिले के लोगों का भी समर्थन मिल रहा है और आप सब भी इसके लिए पूरा प्रयास कीजिये। रेल संघर्ष समिति के मनीष सिंह ने कहा कि यह रेल लाइन की मांग काफी समय से है, यह एक पुरानी मांग है यदि इसे जल्दी मंजूरी मिल गई तो इस यात्रा की सार्थकता होगी, आप सभी का सहयोग चाहिए आप सब भी अपने स्तर पर लगातार मांग को उठाते रहिये। मुकेश तिवारी ने कहा कि यह पूरी यात्रा 4 दिनों तक चलेगी, जिसमें तीन स्टेशन उत्तरप्रदेश में पड़ेंगे और 8 छत्तीसगढ़ में हर स्टेशन पर जन सहयोग से सभा का आयोजन, हस्ताक्षर अभियान एवं पोधोरोपण कार्यक्रम है, रेणुकूट में आप सभी का यह सहयोग रेल संघर्ष समिति सरगुजा हमेशा याद रखेगा। इस दौरान बार कौंसिल के सचिव विजय तिवारी, राज वर्मा, प्रकाश साहू, विद्यानंद मिश्रा, विवेक दुबे संतोष बिहाड़े गोल्डी, विकास अग्रवाल ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम का शुभारंभ रेल बोर्ड के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम ने नारियल फोड़ कर एवं सभी पदयात्रियों को माला पहनाकर एवं वृंदावन से लाया गया गमछा पहना कर किया। यात्रा के प्रथम दिन म्योरपुर, आश्रम मोड़, किरविल, असनहर, कारीडांड में सभा, हस्ताक्षर अभियान, शपथ पत्र, पोधोरोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुई।

CMYK

तो क्या भाजपा के दूसरे नंदकुमार साय बनने जा रहे विजय बघेल!

रायपुर,01 सितम्बर 2023(ए)। भारतीय जनता पार्टी ने जब से दुर्ग सांसद विजय बघेल को पाटन विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया हैं तब से राजनीतिक गलियारों में एक ही आशंका तैर रही है कि क्या विजय बघेल भाजपा के दूसरे नंदकुमार साय बनने जा रहे है? कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहते अजीत जोगी के सामने चुनाव लड़े नंदुकमार साय का राजनीतिक हश्र जगजाहिर हैं।

दरअसल साय उस समय भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे और अब 23 साल की नये राज्य में राजनीतिक यात्रा के बाद वे कांग्रेस की सरकार में केबीनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त नेता हैं और आने वाले चुनाव के लिए टिकिट के दावेदार भी। छत्तीसगढ़ के अल्प राजनीतिक इतिहास में यह तो कही नहीं दिख रहा हैं कि कोई मुख्यमंत्री अपनी सीट से चुनाव हारा हो। फिर आने वाले चुनाव में भाजपा कोई इतिहास रच दे तो अलग बात है।

लेकिन ये इतिहास रच देने के बाद विजय बघेल कही मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार हो गए तो? इसीलिए यह आशंका तैर रही है कि विजय बघेल भी कही नंदकुमार साय की गति को ही प्राप्त तो नहीं हो जाएंगे। दरअसल इस चुनाव में भाजपा की तैयारिया तो ऐसे दिख रही है कि 2018 में 15 साल की सरकार वाली पाटी जब चुनाव लड़ रही थी तब भी इतनी तैयारीं नहीं दिख रही थी। या यूं कह सकते है अतिआत्मविश्वास और आत्ममुग्धता ने पार्टी को 50 से 15 सीटों पर ला दिया।

किसान ने याद दिला दी लंबित बोनस

इस चुनाव में भाजपा के लिए भरोसे का संकट मुंह बाए खड़ा है। इसका प्रमाण एक वायरल वीडियो में पार्टी को मिल गया। पाटन के भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल संगठन महामंत्री भूपेन्द्र सवन्नी के साथ जनसंपर्क कर रहे थे तो एक किसान ने दो साल के लम्बित बोनस की याद दिला दी और साथ में हमर कका वाला एक उलाहना भी दे दिया। दरअसल 2018 के चुनाव में जाने से पहले भाजपा ने किसानों का दो साल का बोनस रोक कर मोबाइल बांट दिए थे। किसानों की मांग थी कि हमें मोबाइल नहीं बोनस चाहिए। इधर कांग्रेस के घोषणा पत्र में न केवल 2500 रूपए प्रति क्विन्टल धान की खरीदी का वादा था बल्कि बचा हुआ दो साल का बोनस भी देने का था। हालांकि साढ़े चार साल में वो दो साल का बोनस तो नहीं दिया लेकिन वादे के मुताबिक 2500 रूपए क्विन्टल धान खरीदी जारी है। निकट भविष्य में यह लम्बित बोनस दिया जाएगा या नहीं अब तक सरकार की ओर से कुछ संकेत नहीं है लेकिन भरोसे और न्याय की कसौटी के बूते चुनाव में जा रही कांग्रेस को भाजपा शराब और गोबर पर बहुआयामी विधाओं से घेर रही है।

कांग्रेस की पीच पर खेल रही भाजपा

छग की राजनीति में किसान और धान कितना अहम है इस बात को समझने के लिए भाजपा को 15 साल लग गए। अब भाजपा कांग्रेस पर छत्तीसगढ़िया वाद का आरोप तो लगा रही है लेकिन कांग्रेस की पीच पर खेल भी रही है। अब हम आते है भाजपा की चौकाओ साइक्लाजी पर। भाजपा यह मानकर चल रही है कि 21 सीटों के प्रत्याशी घोषित कर विरोधियों पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बना ली।

21 में से 15 सीट जीतने का दावा करने वाली भाजपा की रणनीति है कि सांसद विजय बघेल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने मैदान में उतार कर उन्हें इंगेज कर दिया गया है। हालांकि अब तक एकतरफा जीत का दावा करने वाला कांग्रेस का पोलिटिकल थिंक टेंक अब अन्कम्फर्टेबल महसूस करने लगा है।

केंद्रीय एजेंसियों की धमक

राज्य में ठीक चुनाव से पहले केन्द्रीय जांच एजेसियों की धमक से सत्ता व संगठन के राजनीतिक समीकरण गडबड़ाने लगे है। हमने खबर की शुरूआत नंदकुमार साय से की थी और उन्हीं पर खबर खत्म कुछ ऐसी होती है कि राज्य की 34 फीसदी आदिवासी आबादी के लिए 90 में 29 विधानसभा सीटे आरक्षित है और कांग्रेस के पास अभी 27 सीटें है। कम से कम 20 सीटें ऐसी है जहा आदिवासी वोट 20 से 40 हजार है। और नंदकुमार साय अब यह बताते घूम रहे है कि कांग्रेस में आदिवासी सुरक्षित है और भाजपा में भरोसे का संकट है।

इसलिए पाटन के भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल भी मेरी गति को प्राप्त हो सकते हैं। अर्थात उनका राजनीतिक हश्र भी मेरे जैसा हो सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि मैं 34 फीसदी आबादी वाले समाज का 3 बार का सांसद था और विजय बघेल 6 फीसदी सामाजिक भागीदारी वाले एक बार के सांसद हैं। इसके बाद विजय बघेल को किसी भी चुनाव में टिकिट की चाहत नहीं रखनी चाहिए।

एयरपोर्ट पर नौकरी के फर्जी ऑफर

» अथॉरिटी ने जारी किया अलर्ट,जाल में न फंसे

रायपुर,01 सितम्बर 2023(ए)। राजधानी समेत राज्य के सभी जिलों में एयरपोर्ट में नौकरी दिलाने का झांसा देने वाले विज्ञापन और नंबर जारी किए जा रहे हैं। नौकरी की तलाश में भटक रहे बेरोजगार ठगों के जाल में फंस भी रहे हैं।

ऐसे जालसाजों से अब एयरपोर्ट अथॉरिटी वाले भी परेशान हो गए हैं। केंद्रीय एयरपोर्ट अथॉरिटी का कहना है कि ऐसे फर्जी ऑफर केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे राज्यों में भी दिए जा रहे हैं। इसलिए अथॉरिटी की ओर से एक अलर्ट जारी किया गया है।

अलर्ट में कहा गया है कि कई ऐसे दलाल, धोखेबाज और एजेंट हैं जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठग रहे हैं। इस तरह के धोखेबाज युवाओं को नौकरी की ट्रेनिंग देने के साथ उन्हें अप्वाइंटमेंट लैटर भी जारी कर देते हैं। इतना ही नहीं कई बार इंटरव्यू के लिए लैटर जारी किए जाते हैं। बेरोजगार जब नौकरी ज्वाइन करने या ट्रेनिंग के लिए पहुंचते हैं तब सच्चाई सामने आती है, लेकिन तब तक वे ठगी के शिकार हो चुके होते हैं।

इसलिए ऐसे सभी फ्रॉड लोगों से बचने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने अलर्ट जारी किया है कि विमानतल से संबंधित किसी भी तरह की नौकरी, परीक्षा, अंतिम परिणाम के लिए केवल भाविप्रा की अधिकृत वेबसाइट पर ही भरोसा रखें। प्राधिकरण की ओर से किसी भी तरह की सूचना इसी वेबसाइट पर ही जारी की जाती है।

इसके अलावा किसी भी तरह की सूचना की सत्यता की जांच के लिए कैरियर पर विजिट किया जा सकता है। प्राधिकरण के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा है कि इस तरह का फर्जी रैकेट संचालित करने वाले लोगों के खिलाफ तुरंत संबंधित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

गुरूघासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पहुंची राष्ट्रपति का हुआ भव्य स्वागत

रायपुर,01 सितम्बर 2023(ए)। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आते ही पूरा हॉल तालियों की गडगड़ाहट से गूंज उठाइ। विवि द्वारा किए गए भव्य स्वागत से राष्ट्रपति काफी प्रभावित हुई।

दीक्षांत समारोह की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद राष्ट्रपति व अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी के साथ ही गुरू घासीदास के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

समारोह में प्रमुख रूप से राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार चक्रवाल, केंद्रीय जनजाति विकास राज्यमंत्री रेणुका सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश

पटेल, नगर निगम बिलासपुर के महापौर रामशरण यादव, बिलासपुर सांसद अरुण साव, दुर्ग सांसद विजय बघेल, बिलासपुर विधायक शैलेश पाण्डेय, तखतपुर विधायक रश्मि आशीष सिंह, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बेलतरा विधायक रजनीश सिंह, राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष नन्द कुमार साय, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, बिलासपुर संभागायुक्त के. डी. कुंजाम, आईजी आनंद छाबड़ा, कलेक्टर संजीव कुमार झा, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह उपस्थित हैं।

शाह से पहले 250 बिन्दुओं में कांग्रेस ने जारी किया बीजेपी का काला चिटठा

» केन्द्र और पिछली सरकार के घोटाले बताएंगे पीसीसी चीफ दीपक बैज और प्रभारी कुमारी सैलजा

रायपुर,01 सितम्बर 2023 (ए)। प्रदेश कांग्रेस बीजेपी से पहले 250 बिन्दुओं में बीजेपी का काला चिटठा जारी किया। बता दें केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार के खिलाफ आरोप पत्र जारी किया।

लेकिन, उससे पहले कांग्रेस, बीजेपी का काला चिट्ठा जारी करने जा रही है। कुछ ही देर में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर 250 बिन्दुओं में केन्द्र सरकार और पूर्ववर्ती रमन सरकार की नाकामियों के साथ ही घोटालों को जारी किया है।

अमित शाह कल बीजेपी के आरोप पत्र में केंद्र सरकार की जिन योजनाओं का प्रदेश में सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हुआ, उन्हें बड़ा मुद्दा बना रही है। इसमें पीएम आवास, आयुष्मान कार्ड जैसी कई योजनाओं को शामिल किया गया है।

इसके अलावा भ्रष्टाचार भी बड़ा मुद्दा होगा। बीजेपी कोल घोटाले, शराब, सट्टे की कार्रवाई, पीएससी और व्यापमं भर्ती के आरोपों के सहारे कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी में है।

कांग्रेस के 250 बिन्दुओं में केन्द्र और पूर्ववर्ती रमन सरकार के खिलाफ दावों और वादों की पोलपट्टी खोलने की बात कांग्रेस कर रही है। जिसमें रमन सरकार के समय हुए नान, धान, नसबंदी, नसबंदी और आंखफोड़वा कांड जैसे मामले शामिल होंगे।

इन बिन्दुओं को किया शामिल

- ➡रमन सरकार के समय हुए 36000 करोड़ का नान घोटाले का मामला
- ➡पूर्ववर्ती सरकार में हुआ आंखफोड़वा कांड।
- ➡रमन सरकार में हुआ गर्भाशय कांड।
- ➡पिछ्ली सरकार के दौरान हुआ नसबंदी कांड।
- ➡पनामा पेपर घोटाला मामला मोवा धान घोटाला।
- ➡कुनकुरी चावल घोटाला।
- ➡तत्कालीन शिक्षामंत्री केदार कश्यप की पत्नी की जगह किसी और महिला के परीक्षा में शामिल होने का मामला।
- ➡डीकेएस घोटाला।
- ➡1667 करोड़ गौशाला के नाम पर चारा, दवाई और निर्माण में घोटाला।
- ➡इंदिरा प्रियदर्शिनी बैंक घोटाला।
- ➡स्काई वॉक घोटाला
- ➡बारदाना घोटाला
- ➡एक्सप्रेस-वे घोटाला
- ➡बीज निगम में दवाइयां, बीज एवं कृषि यंत्रों की खरीदी में किया गया घोटाला।
- ➡6000 करोड़ का चिटफंड घोटाला।
- ➡रमन सरकार में हुआ रतनजोत घोटाला।
- ➡इसके अलावा भी कई ऐसे मामले हैं, जिसे लेकर कांग्रेस काला चिट्ठा जारी करने जा रही है। कांग्रेस रमन सरकार के 15 सालों में जो भी घोटाले हुए वो प्रदेश की जनता के सामने रखेगी।

न्यायधानी बनी अपराध की राजधानी !

» सरेराह भाई-बहन पर चाकू से जानलेवा हमला,युवक-युवती खून से लथपथ,आरोपी गिरफ्तार

जानकारी के अनुसार, पूरा मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के मिनीबस्ती का है. शराबी युवक ने पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया है. इस घटना में युवक के सिर के पीछे गहरी चोट आई है.

बिलासपुर,01 सितम्बर 2023(ए)। युवक-युवती पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है. जहां एक शराबी युवक ने भाई-बहन पर चाकू से हमला कर दिया. घटना में दोनों बुरी तरह घायल हुए हैं. दोनों का इलाज जारी है. पुलिस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं उसकी बहन के मुंह पर हमला कर घायल किया है. पीड़ित प्रियंका यादव और सिद्धार्थ यादव का सिम्स में उपचार जारी. वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस जांच कर रही है. आरोपी युवक श्यामू यादव के खिलाफ पुलिस गंभीर धाराओं के तहत मामला जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

राखी के दिन दो बहनों के साथ गैंगरेप

पुलिस थाना और पुलिस पेट्रोलिंग को भनक तक नहीं लगी,घटना के घंटों बाद चला पता तो मचा हड़कंप

रायपुर,01 सितम्बर 2023 (ए)। जब राजधानी पुलिस राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उनकी बेटी इतिश्री के लिए चाकचौबंद थी तभी ऐन राखी में एक साथ दो बहनों के साथ आवारा लड़कों ने दुष्कर्म किया। घटना से अनजान रायपुर पुलिस को तब पता चला जब दुष्कर्म के 10 कथित आरोपियों ने रक्षाबंधन के दिन दो बहनों को बलात रोककर अपनी हवस का शिकार बनाकर मौके से फरार हो चुके थे।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के रिम्स अस्पताल के सुनसान इलाके में आरोपियों ने रास्ता रोककर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ितों ने 31 अगस्त को रात 1 बजे मंदिर हसौद थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाया। तब रायपुर पुलिस और आला अफसरों ने ख़ामोशी से आरोपियों की तलाश में लग गए।

राजभवन रायपुर में रात विश्राम कर रहीं राष्ट्रपति मुर्मू की ड्यूटी में तैनात अफसरों को राजधानी पुलिस की साख में बट्टा लगाने वाली वारदात के आरोपियों की खोजबीन में लगा दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि घटना स्थल का थाना गश्ती दल इन सब से अनजान था।

उनको भनक तक नहीं लगी और 2 युवतियों को लड़कों की टोली रोककर बंधक बना ले गई। एक एक कर 10 युवकों ने इस घृणित कृत्य को अंजाम दिया पर पुलिस नदारद थी।

पीड़ित पक्ष जब सामने आया तब हरकत में आई रायपुर पुलिस

रक्षाबंधन मनाकर परिचित के साथ बाइक से लौट रही युवतियां सामुहिक दुष्कर्म की शिकार हो गई। रेप मामले में पुलिस के हत्थे चढ़े 10 आरोपियों में एक भ्ाछकनेता का आदतन अपराधी बेटा भी शामिलय है। दो लोगों को छोड़कर सभी आरोपियों की गिरफ़्तारी की जा चुकी है। पूरी घटना गुरुवार की देर शाम मंदिर हसौद थाने की है।

नाक बचाने रातभर काम की पुलिस

जानकारी के मुताबिक राजधानी में देर रात 2 युवतियों के साथ गैंगरेप की सूचना मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया। एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने 2 एएसपी, 3 डीएसपी और 6 थानेदारों की अलग-अलग टीम बनाकर आरोपियों की खोजबीन की। मामले में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इन आरोपियों ने दी पुलिस को चुनौती

आरोपियों में पूनम ठाकुर, घनश्याम निषाद, लव तिवारी, नयन साहू, केवल वर्मा, देवचरण धीवर, लक्ष्मी ध्रुव, प्रहलाद साहू के साथ अन्य शामिल थे। इनमें से 5 आरोपी पिपरहट्टा गांव के हैं और अन्य आरोपी बोरा, उमरिया और टेकारी गांव के हैं।

भाजपा नेता का बेटा आदतन अपराधी

घटना का मुख्य आरोपी पूनम ठाकुर भाजपा मंदिर हसौद मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ठाकुर का बेटा है। ये आदतन बदमाश है। जिसके खिलाफ थाने में पहले से 5 मामले दर्ज हैं। पूनम 2019 में हत्या और 2022 में बलात्कार के मामले में जेल जा चुका है। इस महीने 17 अगस्त को वो जमानत मे जेल से छूटकर बाहर आया था। और गैंगरेप की वारदात को अंजाम दे दिया।

पद्मश्री उषा बारले और पाटन के दिग्गज कांग्रेस नेता

मेहत्तर वर्मा ने किया बीजेपी में प्रवेश

दुर्ग,01 सितम्बर 2023 (ए)। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित श्रीमती उषा बारले को भगवा गमछा पहनाकर भाजपा में प्रवेश दिलाया साथ ही सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन में पाटन विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष, वर्ष 2010 से 2021 तक लगातार 11 साल पाटन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे मनवा कुर्मी समाज के पाटन राज के पूर्व राज प्रधान और केंद्रीय सचिव मेहत्तर वर्मा को भाजपा प्रवेश कराया।

प्रदेश सह चुनाव प्रभारी मनसुख मांडविया के पहले दौरे में ही दुर्ग में दो दिग्गज हस्तियों के भाजपा प्रवेश से कांग्रेस को जबर्दस्त झटका लगा है। दोनों नेताओं को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने भाजपा प्रवेश पर शुभकामनाएं देते हुए उनके भाजपा प्रवेश के निर्णय की सराहना की।

भाजपा कार्यालय में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने सबसे पहले दुर्ग जिला समन्वय समिति की बैठक ली। इसके बाद केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों से संक्षिप्त चर्चा की। अंत में पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी से मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनसुख मांडविया ने कहा कि हम हमारी विरासत से प्रेरणा लेते है, ना कि विदेशी विचारधारा से। नेशन फर्स्ट की भावना से जनसंघ का निर्माण हुआ। दो निशान, दो विधान, दो प्रधान नहीं चलेगा इस भावना से जनसंघ का जन्म हुआ। राष्ट्र सेवा का भाव रखकर भाजपा और उसके कार्यकर्ता काम करते हैं, ऐसे संस्कारों वाला देश में कोई दूसरा राजनीतिक दल नहीं है।

भाजपा का कार्यकर्ता यह कभी नहीं सोचता कि मुझे कुछ मिलेगा तो ही भाजपा अच्छी है, मेरा काम होगा तभी भाजपा अच्छी है, भाजपा का कार्यकर्ता देशहित को सोचकर काम करता है, भाजपा का कार्यकर्ता यह जानता है कि भाजपा मजबूत होगी तभी देश मजबूत होगा। ऐसे महान विचारों से भरा भाजपा कार्यकर्ता यदि ठान ले कि मुझे मेरी पार्टी को जिताना है तो कांग्रेस और भूपेश बघेल तो क्या दुनिया की कोई ताकत भाजपा को हरा नहीं सकती।

दूसरे राज्य से छत्तीसगढ़ आने वाले वाहनों को नवीन पंजीयन चिन्ह लेना जरूरी

रायपुर,01 सितम्बर 2023 (ए)। देशभर से यहां राज्य में आने वाले वाहनों के पता परिवर्तन की सूचना दर्ज करते समय छत्तीसगढ़ के लिए नवीन रजिस्ट्रीकरण चिन्ह प्राप्त करने संबंधी प्रक्रिया को वाहन पोर्टल में अनिवार्य किया गया है। अन्य राज्य से एनओसी लेकर आये ऐसे वाहनों, जिसका पूर्व में परिवहन कार्यालय रायपुर में पता परिवर्तन की सूचना दर्ज करा लिये है किन्तु छत्तीसगढ़ राज्य का नवीन पंजीयन चिन्ह प्राप्त नहीं किये है।

ऐसे समस्त वाहन स्वामी छत्तीसगढ़ राज्य हेतु नवीन पंजीयन चिन्ह प्राप्त करने के लिए वाहन पोर्टल के माध्यम से विहित शुल्क का ऑनलाईन भुगतान कर आवश्यक दस्तावेज सहित वाहन का भौतिक सत्यापन कराते हुये 20 सितम्बर 2023 तक क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय रायपुर में निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें ताकि प्रस्तुत आवेदन पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही किया जा सके। अन्यथा ऐसे वाहनों पर मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

एनआईसी द्वारा विकसित वाहन पोर्टल के माध्यम से राज्य में वाहन संबंधी समस्त कार्य संपादित किये जा रहे है। जिसके तहत अन्य राज्य के वाहनों को पता परिवर्तन की सूचना दर्ज करने के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य का नवीन रजिस्ट्रीकरण चिन्ह जारी हो रहे हैं। किन्तु राज्य में वाहन पोर्टल लागू होने के पहले अन्य राज्य से आने वाली वाहनों का केवल पता परिवर्तन की सूचना दर्ज है, जिसमें से विभिन्न वाहनों का छत्तीसगढ राज्य के लिए नवीन रजिस्ट्रीकरण चिन्ह प्राप्त नहीं हुआ है। परिवहन मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अन्य राज्य के ऐसे वाहन जिनका पता परिवर्तन की सूचना पूर्व में कार्यालय द्वारा दर्ज कर लिया गया है किन्तु छत्तीसगढ़ राज्य का नवीन पंजीयन चिन्ह समनुदेशित नहीं किया गया है, ऐसे वाहनों का केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 54 तथा छत्तीसगढ़ मोटर यान नियम, 1994 के नियम 55 अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के लिए नवीन रजिस्ट्रीकरण चिन्ह समनुदेशित करने की कार्यवाही किया जाना है।

राजवाड़े समाज से नहीं तो क्या साहू समाज से बैकुंठपुर विधानसभा में हो सकता है प्रत्याशी ?...भाजपा में बनते बिगड़ते समीकरण

राजवाड़े समाज सहित साहू समाज बाहुल्य है बैकुंठपुर विधानसभा,दोनों समाज है निर्णायक स्थिति में यहां

- सरगुजा संभाग में भी साहु समाज की अच्छी खासी है आबादी,सरगुजा संभाग से कभी नहीं मिला साहू समाज को मौका
- हाल ही में भाजपा से सरगुजा संभाग के लिए घोषित उम्मीदवारों में से एक भी साहु समाज से नहीं,राजवाड़े समाज को जबकि मिल चुका मौका
- संभाग की 14 में से 5 ही विधानसभा हैं अनारक्षित,भाजपा में अब तीन अनारक्षित सीट ही टिकट के लिए शेष बचीं
- बैकुंठपुर विधानसभा से साहू समाज से भी हो सकता है भाजपा से प्रत्याशी,संभाग में साहू समाज मांग रहा प्रतिनिधित्व
- वर्ष 2018 में भी संभाग से साहू समाज ने मांगी थी समाज की हिस्सेदारी लेकिन नहीं मिला था किसी को टिकट
- कांग्रेस से भी संभाग से साहू समाज को मौका मिलने पर साहू समाज दे सकता है भाजपा को समर्थन,उठ रही टिकट की मांग
- वर्ष 2018 में भाजपा ने कुल 14 साहू समाज से उतारे थे प्रत्याशी,जिनमे से जीत दर्ज करने में सफल केवल एक ही नाम
- कांग्रेस ने बांटे थे 8 टिकट जीत मिली थी उसे 5 सीटों पर,कुल मिलाकर साहू समाज को भाजपा ने पिछले चुनाव में ज्यादा दिया था अवसर
- बैकुंठपुर में यदि साहू समाज से उम्मीदवारी की भाजपा में आएगी बात सामने,कुल तीन नामों पर होगी चर्चा,सूत्र
- जगदीश साहू,अनिल साहू,सुभाष साहू साहू समाज से भाजपा की हो सकते हैं पसंद सूत्र
- पिछले चुनाव में भाजपा ने साहू समाज से प्रदेश भर में दिए थे 14 टिकट,जीत मिली सिर्फ 1 सीट पर
- भाजपा का अनुभव प्रयोग साहू समाज को लेकर पिछला अच्छा नहीं रहा

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भाजपा ने सरगुजा संभाग से अब तक 14 विधानसभा सीटों में से 4 पर अपने प्रत्याशी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए घोषित कर दिए हैं, सरगुजा संभाग में कुल 5 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जो अनारक्षित श्रेणी की हैं और जिनमे से भी दो सीटों पर भाजपा ने अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं और अब तीन विधानसभा सीट ही अनारक्षित श्रेणी की बचीं हैं जिनमे से दो अविभाजित कोरिया जिले की सीटें हैं और एक अंबिकापुर विधानसभा शामिल है। संभाग में अनारक्षित श्रेणी की विधानसभा सीटों में से भाजपा ने एक सीट पर पिछड़ा वर्ग साथ ही राजवाड़े समाज जो संभाग में ही पाया जाने वाला समाज है, उसे मौका दे दिया है और भटगांव विधानसभा से लक्ष्मी राजवाड़े जिला पंचायत सदस्य अब भाजपा प्रत्याशी घोषित हो गई हैं, वहीं एक अनारक्षित सीट प्रेमनगर से भाजपा ने आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार को प्रत्याशी बनाया है, इस तरह अब संभाग में अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय साथ ही सामान्य वर्ग को साधने के लिए भाजपा के पास कुल 3 विधानसभा सीटें बचीं हैं, जिसमे पिछड़ा वर्ग समुदाय जिसकी विभिन्न जातियां संभाग में पाई जाती हैं, वहीं सामान्य वर्ग समुदाय जिसकी भी कई जातियां भी संभाग में पाई जाती हैं को भाजपा को संतुष्ट करते हुए प्रत्याशी घोषित करना है और सत्ता के लिए प्रदेश में प्रयास करना है।

साहू समाज को बैकुंठपुर विधानसभा से मौका मिलेगा इसकी संभावना बढ़ गई है

इस बीच संभाग स्तर पर कई पिछले विधानसभा चुनावों से साहू समाज भी संभाग में राजनीतिक दलों से अपने समाज के लिए हिस्सेदारी मांग रहा है और जिसकी भी जनसंख्या संभाग में निर्णायक है कई विधानसभा क्षेत्र में और जो इस बार अपने समाज की हिस्सेदारी के लिए अड़ा हुआ है, जिसे भी भाजपा को संतुष्ट करना है जो भाजपा के लिए एक मुसीबत का सबब बनकर संभाग में खड़ा है। संभाग में कई विधानसभा सीटें जो साहू समाज निर्णय लेकर किसी पार्टी की झोली में डालता है उसमे प्रेमनगर, अंबिकापुर, बैकुंठपुर, सोनहत भरतपुर, भटगांव, सीतापुर, मनेंद्रगढ़ प्रमुख हैं और इस बार समाज एक सीट से अपने समाज की हिस्सेदारी मांग रहा

है, ऐसे में सूत्रों की माने तो साहू समाज को यदि भाजपा कहीं से प्रत्याशी संभाग में बना सकती है तो केवल बैकुंठपुर विधानसभा से ही ऐसा भाजपा के लिए संभव है, क्योंकि अन्य बची दो अनारक्षित श्रेणी की विधानसभा सीटों में जो संभाग में बैकुंठपुर को भी छोड़ने के बाद बचेंगी, क्योंकि प्रेमनगर और भटगांव से भाजपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है तो केवल बैकुंठपुर ही एक विधानसभा है जो भाजपा कोटे में बची हुई है, संभाग में जहां साहू समाज से प्रत्याशी घोषित कर भाजपा संभाग में साहू समाज को साध सकती है। साहू समाज बैकुंठपुर में राजवाड़े समाज की ही तरह जनाधार रखता है, वहीं यदि संभाग में एक राजवाड़े का टिकट भाजपा तय कर चुकी है और वह एक ही टिकट तक राजवाड़े समाज में सीमित रहना चाहेगी, वह साहू समाज को बैकुंठपुर विधानसभा से मौका देगी इसकी संभावना बढ़ गई है।

साहू समाज भईयालाल राजवाड़े के लिए बन सकता है रोड़ा

अंबिकापुर विधानसभा में संभव है भाजपा इस बार सामान्य वर्ग से ही प्रत्याशी घोषित करे जैसा लगातार होता भी आया है क्योंकि वहां शहरी मतदाता हैं और वहां ऐसा करना भाजपा के लिए फायदेमंद होगा यह उसकी धारणा बन सकती है, वहीं मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भी साहु समाज को टिकट देने से भाजपा को उतना फायदा मनेंद्रगढ़ विधानसभा की जीत साथ ही संभाग में साहू समाज को साधने के हिसाब से उचित नहीं होगा, क्योंकि मनेंद्रगढ़ विधानसभा में भी अधिकांश मतदाता शहरी क्षेत्र के हैं और ऐसे में मनेंद्रगढ़ विधानसभा सीट ही निकल पाना मुश्किल होगा जो जानकार मानते हैं ऐसे में अब बचा बैकुंठपुर विधानसभा जहां साहू समाज से भाजपा प्रत्याशी मैदान में उतार सकती है और संभाग के साहू समाज मतदाताओं को आकर्षित कर सकती है। बैकुंठपुर विधानसभा में साहू समाज से प्रत्याशी भईयालाल राजवाड़े का टिकट कटने की स्थिति में तय हो सकता है ऐसा सूत्रों का दावा है, क्योंकि इस बार साहू समाज संभाग स्तर से एक सीट चाहता है। साहू समाज वैसे भी भाजपा विचारधारा से प्रेरित समाज माना जाता है और वह हिस्सेदारी मांगता है तो भाजपा उसे दरकिनार करेगी लगता नहीं, इसलिए संभाग से बैकुंठपुर विधानसभा सीट साहू समाज की ओर भाजपा दे सकती है यह सूत्र कह रहे हैं और ऐसा संभावित भी माना जा रहा है।

संभाग स्तर पर साहू समाज की बैठक में टिकट की मांग प्रमुख मुद्दा थी,सूत्र

सूत्रों की माने तो संभाग स्तर पर साहू समाज की बैठक में टिकट का मुद्दा प्रमुख मुद्दा था,प्रेमनगर का प्रत्याशी संभाग की पांच अनारक्षित विधानसभा सीटों में से भाजपा घोषित कर चुकी है जहां समाज टिकट चाहता था,अब साहू समाज बैकुंठपुर विधानसभा सीट से भाजपा से अपने समाज का उम्मीदवार प्रत्याशी चाहता है यह भी सूत्रों का कहना है और बताया जा रहा है की इसके लिए साहू समाज अड़ने की स्थिति में भी है। अब भाजपा क्या निर्णय लेती है यह उसके पार्टी से जुड़ा विषय लेकिन भाजपा सरगुजा संभाग में साहू समाज की उपेक्षा करेगा लगता नहीं है।संभाग में जल्द ही साहू समाज फिर एक बैठक कर भाजपा से टिकट की मांग करेगा यह भी सूत्र बताते हैं।

बैकुंठपुर विधानसभा में साहू समाज मतदाता भी हैं निर्णायक स्थिति में

संभाग की 14 विधानसभाओं में से बैकुंठपुर विधानसभा भी एक ऐसी विधानसभा सीट है जहां साहू समाज निर्णायक स्थिति में है,साहू समाज यहां राजवाड़े समाज के समकक्ष अपना जनाधार रखता है,साहू समाज यदि एकजुट होकर इस विधानसभा में जिस तरफ का भी रुख करेगा उसकी जीत सुनिश्चित होगी ऐसा भी माना जाता है। अब ऐसे में यदि इस विधानसभा से साहू समाज अड़ जाता है भाजपा से टिकट के लिए तो भाजपा के लिए भी उन्हे समझा पाना आसान नहीं होगा यह तय है।साहू समाज को आज तक इस विधानसभा से किसी भी दल ने विधानसभा में मौका नहीं दिया है वहीं संभाग में भी साहु समाज टिकट मामले में उपेक्षित ही रहा है हर दल से यदि ऐसे में भाजपा मौका देती है जैसा सूत्र दावा कर रहें हैं की साहू समाज से भाजपा बैकुंठपुर में प्रत्याशी घोषित कर सकती है इसका फायदा भाजपा को बैकुंठपुर सहित संभाग की अन्य सभी विधानसभाओं में भी होगा जो जानकार भी कहते हैं ऐसा संभव है।

राजवाड़े समाज को भी संभाग में पहला मौका भाजपा ने ही दिया था, बाद में कांग्रेस ने भी समाज की हिस्सेदारी संभाग में तय की थी

राजनीति के जानकारों की माने तो भाजपा ने ही राजवाड़े समाज से संभाग में पहला प्रत्याशी घोषित किया था किसी भी विधानसभा चुनावों के हिसाब से,उसके पहले राजवाड़े समाज कहीं भी टिकट की दौड़ में भी नहीं माना जाता था और न ही वह कभी टिकट का हकदार भी बना किसी विधानसभा से संभाग में ,पूरे प्रदेश में राजवाड़े समाज केवल और केवल सरगुजा संभाग में पाई जाने वाली जाति है और इसलिए उसे पहले या समाज से किसी को विधानसभा में हिस्सेदारी कोई दल नहीं दिया करती थी और न ही मौका,वहीं भाजपा ने यह प्रयोग वर्ष 2003 के विधानसभा में किया जब बैकुंठपुर से भईया लाल राजवाड़े प्रत्याशी बनाए गए पहला चुनाव भले ही वह हार गए लेकिन पार्टी ने उन्हें 2008,2013 में पुनः मौका दिया और वह दो बार जीतकर भी आए और मंत्री तक का सफर वह तय कर सके वहीं उनके प्रतिनिधित्व से समाज को राज्य स्तर पर पहचान मिली और फिर एक बार प्रेमनगर से कांग्रेस ने राजवाड़े समाज को मौका दिया जहां वह असफल रही फिर भटगांव से कांग्रेस ने दो बार राजवाड़े समाज को मौका दिया और दोनो ही बार वह जीत दर्ज करती रही। कुल मिलाकर भाजपा के राजवाड़े समाज को लेकर किए गए प्रयोग साथ ही राजवाड़े समाज को दिए गए विधानसभा स्तरीय प्रतिनिधित्व का ही असर बाद में हर दल में राजवाड़े समाज को मिलता प्रतिनिधित्व और अवसर बन सका जिसे नकारा नहीं जा सकता।

क्या साहू समाज को लेकर भाजपा संभाग स्तर पर राजवाड़े समाज की ही तरह करने वाली है प्रयोग,संभावना बन रही है,सूत्र

क्या सरगुजा संभाग में बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा साहू समाज से विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतार सकती है,क्या वह साहू समाज के संभाग के हिसाब से जनाधार को देखते हुए कई विधानसभाओं में संभाग के निर्णायक स्थिति को देखते हुए वह समाज को अवसर दे सकती है समाज को संभाग स्तर पर साधने का प्रयोग कर सकती है यह सवाल अब खड़ा हो रहा है। संभाग में बैकुंठपुर विधानसभा ही अब भाजपा के पास भी प्रत्याशी घोषित करने के लिए शेष है और अब संभावना जताई जा रही है की यहां पार्टी साहू समाज को मौका देकर एक नया प्रयोग कर सकती है। जानकारों के अनुसार यदि ऐसा हुआ तो भाजपा को फायदा हो सकता है और बस इसके लिए भाजपा को राजवाड़े समाज मात्र को साधने की जरूरत होगी जो विधानसभा में उसी की तरह निर्णायक है और वह अपने समाज से टिकट कटने से कहीं न कहीं दुखी भी होगी।भाजपा प्रयोग की संभावना बना सकती है ऐसा सूत्रों का दावा है।

साहू समाज से बैकुंठपुर विधानसभा से यह हो सकते हैं संभावित भाजपा प्रत्याशी,सूत्र

बैकुंठपुर विधानसभा में वैसे तो साहू समाज से कई लोग भाजपा में सक्रिय राजनीति करते नजर आते हैं लेकिन यदि भाजपा से संभावित प्रत्याशी की बात की जाए तो तीन ही नाम प्रमुख माने जाते हैं जिसमे जगदीश साहू जो वर्तमान में समाज के जिलाध्यक्ष हैं,अनिल साहू जो एक कृषक के साथ सफल व्यवसाई हैं वहीं सुभाष साहू जो व्यवसाई सह कृषक हैं। इन तीन के अलावा शेष भाजपा अन्य किसी नाम पर विचार करेगी यदि वह संभाग में साहू समाज को साधने अवसर देगी सूत्रों की माने तो और कोई नहीं है। वैसे यह तीन नाम बड़े नाम हैं और इनमें से तीनो को चुनाव लड़ने का अनुभव भी है। समाज यदि संभाग में टिकट को लेकर अड़ता है इन तीनों में से ही कोई एक प्रत्याशी होगा यह सूत्र कहते हैं। साहू समाज से वैसे कई और दावेदार भी हैं जो मानते हैं की वह टिकट पा सकते हैं लेकिन ऐसा मानने वाले केवल खुद ही मानते हैं समाज और अन्य समाज का जनाधार वह अपने बूते पार्टी के साथ अपने साथ जोड़ सकेंगे यह कोई स्वीकार करने तैयार नहीं है लेकिन ऐसे लोग खुद की दावेदारी दबी जुबान से पेश कर रहें हैं हर मंच पर नजर आ रहें हैं खुद को खुद दावेदार बता रहें हैं देखा जा रहा है।

तहसील खड़गवां क्षेत्र के 57 कोटवारों को विगत 6 माह से नहीं हुआ वेतन भुगतान

एसडीएम खड़गवां ज्ञापन सौप 3 दिन में भुगतान की मांग,नहीं होने पर भूख हड़ताल की चेतावनी

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

तहसील खड़गवां क्षेत्र के 57 कोटवारो ने विगत 6 माह से लंबित वेतन भुगतान को लेकर एसडीएम खड़गवां को 3 दिन में भुगतान करने अन्यथा भूख हड़ताल की चेतावनी दी।

ज्ञात हो की खड़गवां तहसील क्षेत्र में 57 कोटवारो का वेतन भुगतान विगत 6 माह से लंबित है। भाई बहन के महापर्व रक्षाबंधन में भी कोटवारों को वेतन भुगतान नहीं होने के कारण व्यथित कोटवारों ने खड़गवां एसडीएम व तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर उनका लंबित वेतन भुगतान करने की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से कोटवारों ने कहा है की आगामी 3 दिवस के भीतर उनके वेतन का भुगतान नहीं होता है तो सोमवार से सभी कोटवार भूख हड़ताल पर बैठने को विवश होंगे। इस दौरान कोटवारों के साथ पहुंचे पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा की 15 साल भाजपा की सरकार रही लेकिन इस तरह से कोटवारों का वेतन भुगतान कभी नही रोका गया। आज आप सोच सकते है की 4500 रुपए महीना पाने वाले कोटवारों का परिवार विगत 6 महीनो से कैसे गुजर बसर कर रहा होगा। आज सभी कोटवारों के परिवार के सामने जीवन यापन करने की समस्या खड़ी हो गई है। प्रत्येक कोटवार दुकानों से उधारी समान लेकर कैसे जैसे अपना परिवार पालने को मजबूर हो गया है। जहा एक ओर भूपेश सरकार कोटवारों का वेतन 6 हजार करने की बात कर रही है तो वही कोटवारों को उनके पुराने दर पर भी वेतन भुगतान नहीं हो पाना दुखद है। इस दौरान कोटवार संघ के अध्यक्ष राम प्रकाश ने कहा की इसके पूर्व भी हमारे द्वारा कई बार वेतन भुगतान के लिए विधायक विनय जायसवाल और अधिकारियों के समक्ष गुहार लगाया गया था लेकिन किसी ने भी हमारी तकलीफों को समझने का कोई प्रयास नहीं किया। हम सभी कोटवार दुखी होकर आज इस कदम को उठाने के लिए बाध्य हुए है आगे 3 दिन में भुगतान नही होगा तो सभी कोटवार भूख हड़ताल पर बैठने के लिए मजबूर होंगे। इस दौरान भाजपा खड़गवां मंडल अध्यक्ष रामलाल साहू, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धनंजय पाण्डेय, कोटवार राम भरोस, धनी राम, उदित नारायण, रामलाल, संजय पड़वार, प्रताप, सुखराम, रामबरन, रामनारायण सहित सभी कोटवार उपस्थित रहे।

खरवत की एक विवादित जमीन पर आया कमिश्नर का फैसला, फर्जी दस्तावेज के आधार पर जमीन हड़पने की थी तैयारी

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कमिश्नर कार्यालय अंबिकापुर के न्यायालय से सुरेश चंद बदरिया को मिली बड़ी राहत लंबे समय से अपनी जमीन के लिए लड़ रहे थे लड़ाई, तहसील व एसडीएम कार्यालय के निर्णय को दी चुनौती देते हुए कमिश्नर में लगाई थी न्याय की गुहार, जहां से आया उनके पक्ष में फैसला, जिसमें दस्तावेज के साथ छेड़छाड़ करने की भी बात आई सामने।

सुरेश चंद्र बड़ेरिया बैकुंठपुर निवासी ने बताया की सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी कर भू-माफियाओं से मिलकर, नियम कानून दरकिनार करते हुए एवं गुण्डा गर्दी से भूमि हड़पने की साजिश सन् 1954-55 से ग्राम खरवत (बैकुण्ठपुर) में भूमि खसरा क्र. पुराना 1223 एवं नया क्रमांक 2102 रकबा 0.190 हे. जोकि स्व. देवीदयाल बडेरिया ने क्रय किया था जोकि सरकारी अभिलेखों में उक्त समय से नाम चढ़ा हुआ है। सुरेश चन्द्र बड़ेरिया के दादा स्व0 देवीदयाल ने उक्त भूमि वर्ष 1955 में मंगलसाय रजवार वल्द भिखारी रजवार से क्रय किए थे। उनकी मृत्यु के बाद 1985 से सुरेश चन्द्र बड़ेरिया वगै. के नाम से सरकारी दस्तावेजों में नाम चढ़ा, 1955 के ही दस्तावेजों जो मंगला पनिका वल्द गोल्होई पनिका के रिश्तेदार महादेव पनिका ने सरकारी दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर,कूटरचित, फर्जी दस्तावेज पेश किया, जिसमें उक्त भूमि मंगला पनिका की मृत्यु के पश्चात् उसकी पत्नी निरासो पनिका के नाम होना बताकर अपील अनुविभागीय अधिकारी के यहां किए कागजों का सूक्ष्म निरीक्षण किए बिना अपने अधिकार क्षेत्र से परे यह जमीन के लिए अलोच्य आदेश पारित कर भूमि दस्तावेजों में सुरेश चन्द्र बड़ेरिया वगै0 का नाम विलोपित करते हुए महादेव पनिका वगैरह का नाम चढ़वा दिया जो कि 70 वर्ष के अभिलेखों में परिवर्तन का अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को नहीं हैं। सुरेश चन्द्र बड़ेरिया ने अपील न्यायालय अपर आयुक्त सरगुजा से किया शासकीय दस्तावेजों से एवं नियमानुसार जो तथ्य सामने आए काफी चौंकाने वाले एवं प्रशासन के नियम कानून की कैसे धज्जियाँ उड़ाई गई स्पष्ट है। इस खबर की पुष्टि हम नहीं करते यह खबर पीड़ित की जानकारी पर तयार किया गया है।

मामला के बारे में सुरेश चंद्र बड़ेरिया बैकुंठपुर के अनुसार महादेव पनिका वगैरह द्वारा अपना नाम अंकित किए जाने बावत् अधीनस्थ विचारण न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर के समक्ष संहिता की धारा 115 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया जिसे की निरस्त करते हुए लिखा कि, उक्त धारा के अधीन शुद्धिकरण तहसीलदार की स्वप्रेरणा से ही कर सकता है किसी के आवेदन पर नहीं, पटवारी द्वारा प्रस्तुत 1984-85 की नामान्तरण पंजी में सुरेश चन्द्र बड़ेरिया के दादा एवं पिताजी की मृत्यु के बाद सुरेश चन्द्र बड़ेरिया वगै का नाम संशोधन पंजी में दर्ज किया गया, जिससे स्पष्ट है कि 1985 के पूर्व राजस्व दस्तावेज में सुरेश चन्द्र बड़ेरिया के दादा देवीदयाल के नाम दर्ज था। अर्थात् 33 वर्षों बाद अनुविभागीय न्यायालय के समक्ष आवेदन धारा 115 के अधीन प्रस्तुत किया और आधार अभिलेख 1954-55 को बताया यह वही अभिलेख हैं जिसे कूटरचित, कांट-छांटकर बनाया गया था और उल्लेख किया गया है कि, विरासतन हक में मंगला की 1964 में मृत्यु होने के कारण निरासो का नाम संशोधित हुआ।

1954-55 के अधिकार अभिलेख में 1964 में मंगला की मृत्यु के पश्चात 1954-55 दस्तावेजों में कैसे संशोधन अंकित किया गया?- विचारणीय प्रश्न यह है कि, 1954-55 के अधिकार अभिलेख में 1964 में मंगला की मृत्यु 1954-55 दस्तावेजों में कैसे संशोधन अंकित किया गया। स्पष्ट है कि, महादेव पनिका वगै0 ने कूटरचित दस्तावेज प्रस्तुत किया उल्लेखनीय है कि अधिकार अभिलेख के दस्तावेजों में संशोधन अंकित नहीं किया जा सकता। इससे प्रमाणित होता है कि, महादेव पनिका वगै0 द्वारा मूल दस्तावेज में हेराफेरी किया गया है जोकि गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इस तथ्य की ओर अनुविभागीय न्यायालय ध्यान न देकर आलोच्य आदेश पारित किया जो विधि एवं प्रक्रियाओं के विपरीत है।

नियम के विरुद्ध किया कार्य

धारा 114 के अधीन तैयार भू-अभिलेखों में किसी ऐसी प्रविष्टी से व्यथित हो जो धारा 108 में निर्दिष्ट की गई बातों से भिन्न बातों के संबंध में गई है तो ऐसी प्रविष्टि के दिनांक के 01 वर्ष के भीतर उसकी शुद्धिकरण के लिए तहसीलदार को आवेदन करेगा और तहसीलदार जांच करने के पश्चात् जो उचित समझें मामले में अपना आदेश देगा। इसके बावजूद अधीनस्थ न्यायालय (एसडीएम) ने 45 वर्षों से अधिक पुराने दस्तावेजों में सुधार करने का अधिकरिता विहीन आदेश पारित किया है जो निरस्त किए जाने योग्य है। भूमि व्यपवर्तित है तथा सुरेश चन्द्र बड़ेरिया वगै. अपने पूर्वजों के समय से लगभग 60-70 वर्षो से काबिज कास्त होते हुए पूर्ण रूप से स्वत्व अर्जित कर चुके हैं। राजस्व न्यायालय को धारा 115 116 अनुसार राजस्व दस्तावेजों में सुधार करने का क्षेत्राधिकारी एसडीएम न्यायालय को ना होकर व्यवहार न्यायालय को हैं। इसके बावजूद भी राजस्व न्यायालय अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाते हुए आदेश पारित किया। कंवलसाय आत्मज मोहरसाय जोकि महादेव पनिका का सहयोगी के साक्ष्य प्रतिपरीक्षण का भी अध्ययन नहीं किया जिसमें उसने स्वीकार किया कि, बाद भूमि के नामान्तरण होने की जानकारी उन्हें 20 वर्ष पूर्व से थी तथा इस भूमि पर सुरेश चन्द्र बड़ेरिया वगै0 का कई पीढ़ी से कब्जा है। सरगुजा स्टेट सेटलमेंट में वादभूमि मंगलसाय आठ भिखारी रजवार के नाम पर दर्ज है तथा ग्राम - खरवत की जमाबन्दी 1946-47 के खाता क्रं. 129 में मंगलसाय वल्द भिखी रजवार का नाम बतौर भूस्वामी एवं कब्जेदार के रूप में दर्ज हैं। इसी प्रकार 1946-47 की जमाबंदी में महादेव के पूर्वज मंगला आह्व गल्होई पनिका के नाम पर कुल 04 प्लाट कुल रकबा 2.97 एकड़ भूमि दर्ज है। इसमें बाद प्लाट 1223 नवीन नं. 1102 दर्ज नहीं है जिससे स्पष्ट हैं वाद भूमि खसरा नं0 1223 तथा नया नं. 2102 महादेव पनिका के पूर्वजों की न होकर मंगलसाय आ0 भिखारी रजवार के स्वामित्व की भूमि थी जिसे स्व0 देवीदयाल बड़ेरिया द्वारा क्रय की गई थी। मंगलसाय रजवार एवं मंगला पनिका एक ही ग्राम एवं नाम समरूप है जबकि दोनों अलग-अलग व्यक्ति है। मंगला उर्फ मंगलसाय, महादेव पनिका द्वारा आवेदित किया जाता था जबकि वादभूमि का मालिक मंगलसाय रजवार है। दोनों अलग-अलग जाति के है मंगला पनिका के पूर्वजों के नहीं है और अपनी पैतृक सम्पत्ति बताते हैं। अपने आपको मंगलसाय रजवार का वारिस बताना गंभीर अपराध है एवं 420 की श्रेणी में आता है। ताह्व 23.06.23 को अनुविभागीय न्यायालय द्वारा भूमि हस्तक्षेप न करने हेतु महादेव पनिका एवं 01 अन्य से 50-50 हजार का बाण्ड भरवाया गया था जिसका उल्लंघन करते हुए ता0 24.09.23 जेसीबी द्वारा बांउड्री वाल एवं पिलर को तोड़ दिया गया। जोकि जानबूझकर किया गया अपराध है। इसके पूर्व भी महादेव पनिका द्वारा गेट, बिजली मीटर, बोर्ड एंगल, चादर एवं मोटर पंप वहां से चोरी करके ले गये हैं जिसकी शिकायत छरछा थाने में किया गया था किन्तु आज तक न ही कोई कार्यवाही की गई, नहीं चोरी का पता चल सका है।

प्रदेश सरकार के निकम्मेपन के चलते पुलिस पर हमले का एक नया आपराधिक ट्रेंड चलन में : भाजपा

कांग्रेस शासन में राजनीति के अपराधीकरण और अपराधियों के राजनीतिकरण के चलते अब प्रदेश में जंगलराजः प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा

- संवाददाता -
कोरबा,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था की लगातार उड़ रही धज्जियों को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है। श्री शर्मा ने कहा कि अपराधी तरह-तरह के अपराधों को तो अंजाम देकर चहुँओर असुरक्षा का माहौल बनाए ही बैठे हैं, लेकिन अब तो जिन्हें कानून का रखवाला कहा जाता है, उन पर हमले एक नया आपराधिक ट्रेंड चलन में आ रहा है। यह दुरूह स्थिति प्रदेश की कांग्रेस सरकार के निकम्मेपन पर मुहर लगाने के लिए पर्याप्त है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने सरगुजा संभाग में सूरजपुर जिले के ग्राम खड़गवाँ में ग्रामीणों के एक गुट द्वारा धारदार हथियारों व लाठी-डण्डों से चार पुलिसकर्मियों पर किए गए हमले को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए कहा कि इस तरह के हमले प्रदेश सरकार के माथे पर कलंक है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है और प्रदेश की भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ को अपराधगढ़ बनाने पर आमादा है। प्रदेश में कहीं भी अपराधियों, हमलावरों में कानून का खौफ नहीं रह गया है। इस तरह की घटनाएँ यह साबित कर रही हैं कि प्रदेश में अपराधी अपनी समानांतर सरकार चलाकर जंगलराज चला रहे हैं और प्रदेश सरकार हाथ-पर-हाथ धरे बैठी है। श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस पर हमले की यह कोई पहली वारदात नहीं है। राजधानी में ही सरेबाजार कतिपय गुंडा तत्वों ने पुलिस कर्मी पर हमला किया था और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। किसी तरह भागकर उसने अपनी जान बचाई थी। इसी तरह शराब पकड़ने, बदमाशों को गिरफ्तार करने, विवाद सुलझाने के लिए गई पुलिस की टीम पर हाल के वर्षों में प्रदेश के प्रायः हर इलाके में जानलेवा हमलों की वारदातों में पुलिस के अधिकारी और जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा ने कहा कि जो प्रदेश सरकार अपने पुलिस जवानों तक की रक्षा नहीं कर पा रही है, वह प्रदेश की जनता की सुरक्षा की बड़ी-बड़ी डींगें हाँकती प्रदेशभर में झूठ का कारोबार चला रही है। श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस पर हमला करने का दुस्साहस अपराधियों में इसलिए बढ़ता जा रहा है क्योंकि अपराधियों को सत्तावादी राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है और पुलिस पर ऐसे आपराधिक तत्वों पर कार्रवाई न करने का दबाब बनाया जाता है।

बदलापुर की राजनीति के एजेंडे पर चल रही प्रदेश सरकार पुलिस का जिस तरह से बेजा राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है, उसके परिणामस्वरूप भी अपराधियों में कानून के राज का खौफ नहीं रह गया है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का राजनीतिकरण करने के अलावा कोई और काम नहीं किया। अब को अपराधों पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए और प्रदेश की जनता के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों व जवानों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

रक्षाबंधन के अवसर पर क्षेत्र की बहनों ने अपने प्रिय भाई विधायक जयसिंह अग्रवाल के कलाई पर बांधी राखी

- संवाददाता -
कोरबा,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिस रक्षासूत्र से राजा बलि की रक्षा हुई थी,वही रक्षासूत्र हमारे भाई की रक्षा करेगा। इस भावना के साथ हजारों बहनों ने विधायक एवं राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल की कलाई पर राखी बांधी। रक्षाबंन्धन के अवसर पर दस हजार से अधिक बहनों ने जयसिंह अग्रवाल के कलाई पर राखी बांधीं। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी की बहनों ने भी राखी के पावन अवसर पर भाई राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को राखी बांधी।

प्रतिवर्ष के परंपरा अनुसार कोरबा के डीडीएम स्कूल रोड स्थित नवनिर्मित श्रीराम दरबार मंदिर में यह आयोजन भाई बहन के स्नेह को परिभाषित करने में सफल रहा। इसके माध्यम से यह भावना भी मजबूत हुई कि रिश्तों की जड़ें इसी तरह सिंचित होती हैं। क्षेत्र की बहने रक्षाबंधन पर विधायक जयसिंह अग्रवाल को कई वर्षों से राखी बांधते आ रही हैं। प्रदेश में अपने तरह का अनूठा अध्याय कहा जा सकता है, जिसमे एक भाई के लिए हजारों बहनों की उपस्थिति एक स्थान पर तय होती है। बहनों ने बताया कि उनके जीवन का यह कभी नहीं भूलने वाला अनुभव रहा है और उन्हें इसकी यादें हमेशा कुछ अच्छा करने की प्रेरणा देती रहेगी। इस दौरान माता बहनों ने राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के माथे पर रोली तिलक लगाकर कलाई पर रक्षा सूत्र पहनाया, अनेक माताओं ने जयसिंह अग्रवाल के सिर पर हाथ फेरा और गले मिलकर अपनी शुभकामनाएं दी। राजस्व मंत्री (विधायक) जयसिंह अग्रवाल एवं पूर्व महापौर रेणु अग्रवाल ने सभी बहनों के स्नेह व प्यार के लिए उनके व उनके परिवार के प्रति आभार जताया है।

स्कूली बच्चों को यातायात नियमों को जानकारी दे रहा है सूरजपुर पुलिस,बच्चों को रूको, देखों फिर सड़क पार करने दी समझाईश

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक आई कल्याण एलिसेला ने निर्देशन में सजग सूरजपुर अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत विभिन्न विषयों सहित नागरिकों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस के अधिकारी व जवान स्कूल और कालेज में पहुंचकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए स्कूली वाहन के चालकों को भी सुरक्षित आवागमन के लिए निर्देश दी जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस बीते दिन सरस्वती शिशु मंदिर सूरजपुर पहुंची। स्कूली बच्चों को समझाइश दी गई कि बगैर लाइसेंस दो पहिया वाहन नहीं चलाना चाहिए। वैध लाईविंग लायसेंस बनवाने के बाद ही दो पहिया वाहन चलाने, सड़क पर चलने के दौरान सावधानी बरतने। चौक चौराहों पर खड़े रहने वाले ट्रैफिक जवानों के इशारों पर नजर रखने ट्रैफिक नियमों को न तोड़ने की समझाइश दी गई। विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि जब तक वह वाहन चलाने की आयु पूरी नहीं कर लेते उनका लाइसेंस नहीं बन जाता और बिना बीमा के कोई भी वाहन चलाने से परेशानी बढ़ सकती है। स्कूल सहित शहर के स्कूली वाहनों के चालकों को बच्चों को सुरक्षित आवागमन को लेकर निर्देश दिए गए।

स्कूली बच्चों ने सीखा यातायात नियम की जानकारी-* यातायात के आरक्षक शशिकांत मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को बताया कि बस, कार, ट्रेन या अन्य वाहन में बैठने पर अक्सर बच्चे जिद करते हैं कि उन्हें खिड़की वाली सीट चाहिए, ताकि वे बाहर का नजारा देख सके, इस दौरान वे अपना हाथ भी खिड़की के बाहर निकालते है जो बेहद खतरनाक होता है, बच्चों को ऐसा ना करने, सड़क पर न दौड़ने, वाहन के ध्वनि पर ध्यान देने, सड़क पार करने से पहले सड़क के दाई व बाई तरफ देखे, सड़क पूरी तरह से साफ हो तो सावधानी के साथ सड़क पार करने की समझाइश दी।

एएसपी शोभराज अग्रवाल ने बताया कि सड़क दुर्घटना के जोखिम को कम करने, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि हम यातायात नियमों का पालन करें। ग्रामीण क्षेत्र के हाट बाजारों में यातायात नियमों से ग्रामीणों को अवगत कराया जा रहा है शहर सहित स्कूल-कालेजों में यातायात नियमों का पालन किस तरीके से करना है इस संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी जा रही है। इस दौरान यातायात प्रभारी सुनील सिंह, स्कूल के प्राचार्य कैलाश यादव, शिक्षक राम सिंह यादव, लोकेश पांडेय, जितेंद्र दुबे, शोभा निगम सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

बालको ने कर्मचारियों और समुदाय के साथ मनाया रक्षाबंधन का उत्सव

- संवाददाता -
कोरबा,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने कर्मचारियों और समुदाय के साथ रक्षा बंधन का उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कंपनी के कर्मचारियों ने सेफ्टी और सिक्योरिटी कर्मियों की कलाई पर राखी बांधकर उनके समर्पित भाव के प्रति सराहना व्यक्त की। इसके साथ ही विश्वास एवं अटूट प्यार के प्रतीक रक्षा बंधन त्योहार से एकजुटता की भावना को बढ़ावा देते हुए बालको ने समुदाय के साथ उत्सव मनाकार अपने आपसी संबंधों को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

बालको में कर्मचारियों को उनके सुरक्षा चैंपियन द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा की भावना का जश्न मनाने के लिए एकजुट भाव से राखी बांधकर त्योहार को नए रूप में मनाया गया। कंपनी में आयोजित उत्सव में विविधता के साथ ट्रांसजेंडर, महिला एवं पुरुष सिक्योरिटी तथा सेफ्टी कर्मचारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए सभी कर्मचारी एक साथ आए। कार्यक्रम में कर्मियों की कलाई पर सुरक्षा और विश्वास के प्रतीक %राखी% के धागे बांधने की हृदयस्पर्शी परंपरा निभाई गई, जो सुरक्षा कर्मियों के बीच व्यावसायिक सुरक्षा के मूल्यों को मजबूत करती है। बालको के उन्नति परियोजना से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की समर्पित महिलाओं ने बालको प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों की कलाई पर अपनी हाथों की बनी राखियां बांधकर रक्षा बंधन उत्सव मनाया। बालको के वरिष्ठ अधिकारियों ने नंद घर के बच्चों के साथ राखी त्योहार को मनाया। नंद घर वेदांता समूह के सामुदायिक विकास का प्रमुख हिस्सा है जो समुदायों में महिलाओं और बाल विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि कंपनी की प्रगति और समुदाय साथ-साथ चलते हैं जो हमें सामूहिक उपलब्धि के उज्जवल भविष्य की ओर प्रेरित करते हैं। समृद्धि, सशक्तिकरण, विकास और साझा मूल्यों के माध्यम से हम एक ऐसी संस्कृति विकसित करते हैं जिससे सभी को लाभ होता है। रक्षा बंधन बहुआयामी पारंपरिक उत्सव है जिसमें बालको कर्मचारी और समुदाय दोनों ने हिस्सा लिया जो हमारी बंधुत्व एकता का प्रतीक है। कंपनी और समुदाय के एक साथ आगे बढ़ने तथा सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

स्कूली बच्चों ने किया ग्रामीण औद्योगिक पार्क पस्ता का भ्रमण

- संवाददाता -
सूरजपुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के जनपद पंचायत रामानुजनगर के ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) पस्ता में स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण किया गया। पस्ता में संचालित गतिविधियों को देखकर बच्चों के चेहरे पर खुशी की झलक देखने को मिली। आज रीपा सेंटर में समूह की महिलाओं को सिलाई इकाई में उन्होंने कपड़ों को सिलते देखा, आलू चिप्स निर्माण इकाई में उन्होंने आलू चिप्स बनते देखा, पेवर ब्लॉक निर्माण इकाई में उन्होंने पेवर ब्लॉक निर्माण का कार्य देखा, फ्लाई एस ब्रिक्स निर्माण का कार्य देखा। सभी कार्यों को देखकर बच्चे बहुत उत्साहित हुए। बच्चों को विकासखंड परियोजना प्रबंधक माधुरी भंडारी द्वारा बताया गया कि यहां किस प्रकार से एक बेहतर इकोसिस्टम निर्माण कर ग्रामीण जनों की अर्थव्यवस्था को शासन के सकारात्मक कदम के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के नागरिक, शिक्षक एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कैडर उपस्थित रहे।

वजन त्यौहार का आयोजन 1 से 13 सितंबर तक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,01 सितम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में शुक्रवार से जिले में वजन त्यौहार का प्रारंभ किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया है कि 01 सितंबर से 13 सितंबर तक जन-जन को कुपोषण के प्रति जागरूक करने प्रत्येक परिवार को उनके बच्चों के सही पोषण की स्थिति से अवगत कराने एवं कम वजन वाले बच्चों को चिन्हांकित कर कुपोषण की सही स्थिति का पता लगाने के लिये वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परियोजना के सेक्टर में चार से पांच आंगनबाड़ी केन्द्रों का कलस्टर तैयार कर तिथि का निर्धारण कर शत प्रतिशत बच्चों का वजन लेकर पोषण ट्रैकर एप में दर्ज किया जाएगा। प्रत्येक कलस्टर में वजन त्यौहार के आयोजन के अनुश्रवण हेतु विभागीय अधिकारी-कर्मचारी या पर्यवेक्षक उपस्थित रहेंगे एवं बच्चों का वजन, उचाई एवं लंबाई का सही मापन करेंगे। बच्चों के वजन पश्चात् आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चे के पालक को पोषण स्तर का रिपोर्ट कार्ड देंगी। सुपोषित व समृद्ध सरगुजा की परिकल्पना को साकार बनाने के लिये ग्राम एवं नगरीय निकाय के वार्डों में आयोजित होने वाले तिथि की जानकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से प्राप्त कर निर्धारित वजन त्यौहार की तिथि को 6 वर्ष तक के सभी बच्चों का वजन सुनिश्चित करने के लिये जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों से अपील किया गया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-202308021200... / अ-6/ 2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती अनिता अग्रवाल पति राजेश अग्रवाल, जाति- अग्रवाल निवासी-गुरूद्वारा, नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि अनावेदक/विक्रेता- राम कृष्ण गोयल आ0 राजीव अग्रवाल, जाति-अग्रवाल, निवासी- चर्चरोड, केदारपुर, नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के स्वामित्व हक की शीट क्रमांक 11, मोहल्ला- राममंदिर मैदान, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट 3196/4813/97 रकबा 25×30=750 वर्गफिट भूमि है उक्त नजूल प्लाट 3196/4813/97 रकबा 25×30=750 वर्गफिट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 17/08/2023 के द्वारा अनावेदक/विक्रेता-राम कृष्ण गोयल आ0 राजीव अग्रवाल, जाति-अग्रवाल, निवासी- चर्चरोड, केदारपुर, नगर अम्बिकापुर ,जिला सरगुजा छ0ग0 से मेरे द्वारा क्रय किया गया है। अतः पंजीबद्ध विक्रय पत्र पंजीयन दिनांक 17/08/2023 के आधार पर अपने नाम नामान्तरण किये जाने बावत आवेदन पत्र अर्न्तगत धारा धारा 109, 110, छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा,/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-22/09/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा,/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-29/08/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./यां.)

संभाग अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-5202 /NIT-12/2023-2024 /व.ले.लि. ,दिनांक 28/08/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 05/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 12/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे
निविदा खोलन की तिथि :- 13/09/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

कार्य हेतुः-

निविदा प्रपत्र का मूल्य :- 750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन के अंतर्गत ''द'' से ''अ'' तक तथा कार्य की अवधि प्रत्येक निविदा हेतु दिनांक 30.09.2023, तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र.12 निविदा क्र.	कार्य का नाम / NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.मे) बैंक साल्वेन्सी (रू.में)
1	2	3
T0094	सूरजपुर जिले के अंतर्गत EVM गोदाम सूरजपुर में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	3.00-3000.00 -45000.00
T0095	कोरिया जिले के अंतर्गत EVM गोदाम कोरिया में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	1.00-2000.00 -15000.00
T0096	सरगुजा जिले के अंतर्गत EVM गोदाम अम्बिकापुर में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	3.00-3000.00 -45000.00
T0097	जशपुर जिले के अंतर्गत EVM गोदाम जशपुर में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	3.00-3000.00 -45000.00
T0098	बलरामपुर जिले के अंतर्गत EVM गोदाम बलरामपुर में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	2.00-2000.00 -30000.00
T0099	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत EVM गोदाम एम.सी.बी. में फायर अलार्म सिस्टम सप्लाई एवं लगाने का कार्य	2.00-2000.00 -30000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./यां.)
संभाग अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

जी.नं.-04776/2

न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 202308262600050 /अ-21/22-23

ईश्तहार

आम जनता ग्राम केतका को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री दिलसाय आ0 रामप्यारी जाति पनिका निवासी ग्राम केतका तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की शासकीय पट्टे की भूमि ग्राम केतका स्थित भूमि ख0न0 1570/2 रकबा 1.27 हे0 में से रकबा 0.80 हे0 भूमि को अनावेदक विवेकानंद चौबे आ0स्व0 बृजनारायण चौबे जाति ब्राम्हण निवासी नवापारा सूरजपुर के पास 3,50,000/- रूपये में भूमि बिक्री हेतु सौदा तय कर मु0 3,25,000/- रूपये आवेदक द्वारा प्राप्त कर चुका है। वाद भूमि शासकीय पट्टे की भूमि होने सेअनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने पर जांच रिपोर्ट हेतु प्रकरण इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी को आपत्ति हो तो वह दिनांक 19.09.2023 को स्वतः अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/08/2023 को मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील

नायब तहसीलदार
सूरजपुर

एशिया कप-भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए विशेष टिकट बिक्री की पेशकश

कैंडी,01 सितंबर 2023। प्रतिद्वंदियों के बीच मुकाबले में दिलचस्पी पैदा होने के साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2 सितंबर को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए विशेष टिकट की पेशकश की है।प्रशंसकों को पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के लिए इस सीमित समय की पेशकश का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे विशेष ऑफर पर सीटें सुरक्षित कर सकते हैं और रोमांचक माहौल का हिस्सा बन सकते हैं।

श्रीलंका क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस ऑफर में विशेष एशिया कप शोडाउन के लिए पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ग्रास एम्बैंकमेंट और स्कोरकार्ड ग्रास एम्बैंकमेंट के लिए सीमित टिकट शामिल हैं। टिकट 1500 रुपये (एलकेआर) पर उपलब्ध होंगे।साथ ही, यही स्कीम 4 सितंबर को भारत और नेपाल के बीच होने वाले मैच के लिए भी उपलब्ध होगी और टिकट भी उसी कीमत पर उपलब्ध होंगे।इसके अलावा, प्रशंसकों के लिए एक विशेष विकल्प में, दोनों खेलों के लिए एक पैकेज 2560 (एलकेआर) रुपये में उपलब्ध होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रशंसक कैंडी में ग्राउंड बॉक्स ऑफिस से मौके पर ही टिकट खरीद सकते हैं। कैंडी, 1 सितंबर (आईएएनएस)। प्रतिद्वंदियों के बीच मुकाबले में दिलचस्पी पैदा होने के साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2 सितंबर को यहां भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए विशेष टिकट की पेशकश की है।प्रशंसकों को पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मुकाबले के लिए इस सीमित समय की पेशकश का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे विशेष ऑफर पर सीटें सुरक्षित कर सकते हैं और रोमांचक माहौल का हिस्सा बन सकते हैं।

श्रीलंका क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस ऑफर में विशेष एशिया कप शोडाउन के लिए पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में ग्रास एम्बैंकमेंट और स्कोरकार्ड ग्रास एम्बैंकमेंट के लिए सीमित टिकट शामिल हैं।टिकट 1500 रुपये (एलकेआर) पर उपलब्ध होंगे।साथ ही, यही स्कीम 4 सितंबर को भारत और नेपाल के बीच होने वाले मैच के लिए भी उपलब्ध होगी और टिकट भी उसी कीमत पर उपलब्ध होंगे।इसके अलावा, प्रशंसकों के लिए एक विशेष विकल्प में, दोनों खेलों के लिए एक पैकेज 2560 (एलकेआर) रुपये में उपलब्ध होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रशंसक कैंडी में ग्राउंड बॉक्स ऑफिस से मौके पर ही टिकट खरीद सकते हैं।

हॉकी में भारत ने जापान को बुरी तरह से रौंदा

टोकियो,01 सितंबर 2023। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस वर्ल्ड कप क्वालिफायर के एक मैच में जापान को बुरी तरह से मसलकर रख दिया। भारतीय टीम ने जापान को 35-1 से रौंदा। इसके अलावा भारत ने एक अन्य मुकाबले में मलेशिया को भी 7-5 से हराया। इस मुकाबले में भारत ने एक के बाद 35 गोल किए। जबकि जापान महज एक ही गोल कर पाया। मदीप मोर की अगुवाई में भारतीय हॉकी टीम ने आखिरी लीग मैच में गोल की बारिश कर दी। इसके साथ ही भारत ने सेमीफाइनल में शानदार जगह बना ली है।

भारतीय टीम के सामने जापानी टीम पस्त हो गई। टीम ने पहले पांच मिनट के अंदर ही सात गोल कर दिए थे और इसके बाद भी जापानी टीम पर किसी तरह का रहम नहीं दिखाया। भारत की तरफ से मनिंदर सिंह 10 गोल दागे। तो मोहम्मद राहिल ने सात, पवन राजभर और गुरजोत सिंह ने पांच-पांच, सुखविंदर ने चार, कप्तान मनदीप मोर ने तीन और जुगराज सिंह ने एक गोल किया। जापान की तरफ से एकमात्र गोल मसाताका कोबोरी ने किया। भारतीय टीम ने इससे पहले खेले गए मैच में मलेशिया को 7-5 से हराया। इस मैच में भारत की तरफ से गुरजोत ने पांच जबकि मनिंदर और राहिल ने एक-एक गोल दागा। मलेशिया की तरफ से आरिफ इशाक, कप्तान इस्माइल अबू, मोहम्मद दीन, कमरुलजमां कमरुद्दीन और स्यारमन मत ने गोल किए। दिन की इन दो बड़ी जीत से टीम इंडिया एलीट पूल तालिका में 12 अंक लेकर पाकिस्तान के बाद दूसरे स्थान पर रहा जिससे वो सेमीफाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई कर गया।

भारत में लीजेंड्स लीग क्रिकेट की वापसी

18 नवंबर से होगा आगाज

नई दिल्ली,01 सितंबर 2023। एक सफल सीजन के बाद, एक बार फिर लीजेंड्स लीग क्रिकेट की वापसी हो रही है। यह सीजन 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक भारत में खेला जाएगा।

बैक टू बैक क्रिकेट का फैंस खूब मजा लूटने वाले हैं, क्योंकि वर्तमान में श्रीलंका और पाकिस्तान में चल रहे एशिया कप ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रखा है। फिर, भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है और इसके तुरंत बाद लीजेंड्स लीग क्रिकेट खेला जाएगा। यानी क्रिकेट फैंस को रोमांच, थ्रिलर और हाई वोल्टेज मुकाबले का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट का फ्रैंचाइजी सीजन का निश्चित रूप से खेल के शीर्ष दिग्गजों के भारत आने से रोमांच और बढ़ जाएगा।

भारत में नए स्थानों पर लीजेंड्स लीग क्रिकेट की वापसी से काफी उत्साह पैदा होने की उम्मीद है। आयोजकों ने घोषणा की कि लीग क्रिकेट प्रशंसकों के हित को ध्यान में रखते हुए उन स्थानों का चयन करेगी, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला गया है जिससे खेल को बढ़ावा मिलेगा।

इसमें कहा गया है कि लीग इस सीज़न में और अधिक खिलाड़ियों को जोड़ेगी, जिससे यह दर्शकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक हो जाएगी।

दोहा में पिछले सीज़न के दौरान कुछ शीर्ष खिलाड़ी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। जैसे सुरेश रैना, आरोन फिंच, हाशिम आमला, रॉस टेलर और क्रिस गेल समेत कई दिग्गजो ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट में खेला और क्रिकेट के स्तर को आगे बढ़ाया।

इंडिया कैपिटल्स ने सितंबर-2022 में खेला गया पहला सीजन जीता था। सूत्रों के मुताबिक, नए प्लेयर ड्राफ्ट पूल के साथ टीमों की रिटेंशन पॉलिसी की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर रवि शास्त्री ने कहा, इसे आगे बढ़ाएं, विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का हमेशा स्वागत है। खेल में और अधिक दिग्गजों के शामिल होने से मैदान पर और अधिक मज़ा आने की उम्मीद है। मेरे जैसा प्रशंसक यही तो चाहेगा।

हम उम्मीद करते हैं कि लीग इस श्रेणी में प्रशंसकों और क्रिकेट बिरादरी के लिए सबसे अच्छे अनुभवों में से एक बन जाएगी। लीग सीजन दर सीजन महत्वपूर्ण विकास और सकारात्मक बदलावों का अनुभव कर रही है। भारत में अगली लीग के साथ, इसकी लोकप्रियता और बढ़ेगी।

पृथ्वी शॉ ने काउंटी सीजन 2024 के लिए नॉर्थम्पटनशायर लौटने की पुष्टि की

नई दिल्ली,01 सितंबर 2023। भारत के दाएं हाथ के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की काउंटी सीजन-2024 के दूसरे भाग के लिए नॉर्थम्पटनशायर में वापसी की पुष्टि हो गई है।

पृथ्वी शॉ ने इस गर्मी में क्लब के साथ अपने कार्यकाल में तत्काल प्रभाव डाला, जिसमें घुटने की चोट के कारण उनका कार्यकाल छोटा होने से पहले समरसेट के खिलाफ 153 गेंदों में 244 रन की रिकॉर्ड तोड़ पारी भी शामिल थी।

क्लब द्वारा जारी एक बयान में शॉ ने कहा, मैं अगली गर्मियों में नॉर्थम्पटनशायर वापस जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। भले ही यह जल्दी खत्म हो गया था, लेकिन मैंने वास्तव में वहां अपने समय का आनंद लिया। इसका हिस्सा बनने के लिए यह एक शानदार क्लब है और मुझे लगा कि सभी ने तुरंत इसका स्वागत किया।

अन्य काउंटी टीमों की गहरी रुचि के बावजूद, शॉ ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा एक और वर्ष के लिए नॉर्थम्पटनशायर लौटने की थी। जहां उन्हें काउंटी चैम्पियनशिप और वन डे कप दोनों में चयन के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है। उनका जून 2024 से सीज़न के अंत तक क्लब के साथ जुड़ने का कार्यक्रम है। मेरा लक्ष्य हमेशा टीम के लिए गेम जीतने में मदद करना है और इस बार

घायल होना और जल्दी छोड़ना बहुत निराशाजनक था। टूर्नामेंट के बाद कुछ टीमें मुझसे संपर्क कर रही थीं और अगले साल उनके लिए खेलने के बारे में बात करना चाहती थीं, लेकिन मुझे लगता है कि नॉर्थम्पटनशायर के साथ मुझे अभी भी बहुत कुछ हासिल करना है। उन्होंने इस साल मुझे मौका दिया और मैं वापस आकर बहुत खुश हूं।

घुटने की चोट के कारण उनका कार्यकाल छोटा होने से पहले, 23 वर्षीय शॉ ने अपने 4 मैचों में 143 की औसत से 429 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 152 रहा और जिसमें उनका रिकॉर्ड तोड़ने वाला 244 रन लिस्ट ए के इतिहास में छठा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था। मुख्य कोच जॉन सैडलर भी शॉ का ड्रेसिंग रूम में वापस स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं, जिनकी आखिरी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति 2021 में हुई थी।

उन्होंने कहा, पृथ्वी एक शानदार बल्लेबाज हैं और उसने इतने कम समय में हमारे लिए जो किया वह अविश्वसनीय था।

वह अपनी चोट के कारण अधिक समय तक नहीं टिक पाने से पूरी तरह निराश थे क्योंकि वह कुछ और रेड-बॉल क्रिकेट खेलना चाहते थे। इसलिए, अगले साल उनके लिए ऐसा करने का मौका वास्तव में हम सभी के लिए रोमांचक है।

अल्काराज तीसरे दौर में पहुंचे

वावरिंका ने सिनर से भिड़ंत तय की

न्यूयॉर्क,01 सितंबर 2023। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने दक्षिण अफ्रीका के उत्साही लॉयड हैरिस को 6-3, 6-1, 7-6(4) से हराकर 2023 यूएस ओपन की अपनी पहली कड़ी परीक्षा पास कर ली।

अल्काराज को अपने शुरुआती मैच में डोमिनिक कोपेफ़र (टखने) से दूसरे सेट में रिटायरमेंट मिल गया था, लेकिन शक्तिशाली 26 वर्षीय हैरिस के खिलाफ अपने खेल का तनाव परीक्षण करने का मौका मिला।

टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के यूएस ओपन चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त, अल्काराज ने सामने आए 10 ब्रेक प्वाइंट में से नौ का बचाव किया और तीसरे सेट के बीच में ब्रेक डाउन होने से उबर गए।

स्पैनियार्ड, जो रोजर फेडरर द्वारा 2004-2008 तक लगातार पांच खिताब जीतने के बाद से फ्लशिंग मीडोज में पहला बैक-टू-बैक चैंपियन बनने की कोशिश कर रहा है, के सीजन के रिकॉर्ड में 55-6 (हार्ड कोर्ट पर 18-3) का सुधार हुआ है। वह सीज़न के अपने सातवें और करियर के तीसरे प्रमुख खिताब का पीछा कर रहे हैं।

हैरिस, जो बार-बार बड़े दूसरे सर्व के साथ अल्काराज को चुनौती देते थे, 2021 में यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट थे, लेकिन कलाई की चोट के कारण 2022 सीज़न के आखिरी छह महीनों में चूक गए।

अल्काराज को तीसरे दौर में हाल के वाशिंगटन चैंपियन ब्रिटेन के डैनियल इवांस के खिलाफ एक कठिन परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

दूसरी ओर, स्टैन वावरिंका ने पिछले वर्षों को पीछे छोड़ते हुए यूएस ओपन में 30वीं वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी के खिलाफ बेसलाइन खेल में जीत हासिल की।

वावरिंका, जिन्होंने 2016 में फ्लशिंग मीडोज में ट्रॉफी जीती थी, ने पुरानी मारक क्षमता और फिटनेस का प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के खिलाड़ी को तीन घंटे, 39 मिनट में 7-6 (6), 6-7 (7), 6-3, 6-2 से हराया।

जीत के बाद, वावरिंका ने छठी वरीयता प्राप्त इतालवी जानिक सिनर के खिलाफ तीसरे दौर में ब्लॉकबस्टर मुकाबला तय किया।

सीज़न के अंतिम प्रमुख में अपनी 16वीं उपस्थिति बनाते हुए, 38 वर्षीय वावरिंका 1991 में 39 वर्षीय जिमी कॉनर्स के सेमीफाइनलिस्ट होने के बाद यूएस ओपन के तीसरे दौर में पहुंचने वाले

जोकोविच तीसरे दौर में,चीन के झांग झिझेन ने रचा इतिहास,सितसिपास हारे

न्यूयॉर्क ,01 सितंबर 2023। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन 2023 के तीसरे दौर में पहुंचकर एक बार फिर अपना दबदबा साबित किया।

सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी ने स्पैनिश टेनिस खिलाड़ी बर्नाबे ज़पाटा मिरालेस को 6-4, 6-1, 6-1 से हराया। नोवाक का अब राउंड- 3 में हमवतन लास्लो जेरे से मुकाबला होगा।

नोवाक ने लंबे समय के बाद यूएस ओपन टूर्नामेंट में खेलने पर खुशी व्यक्त की और कहा, मैं आप लोगों के सामने वापस आकर खुश हूं। यही बात मुझे 36 साल की उम्र में ताकत और प्रेरणा देती है। मुझमें अभी भी इस कोर्ट पर अपना सर्वश्रेष्ठ खेलने की भूख और इच्छा है।

इस बीच 1973 में एटीपी रैंकिंग की शुरुआत के बाद से, चीन के झांग झिझेन शीर्ष पांच प्रतिद्वंद्वी को हराने वाले पहले पुरुष चीनी खिलाड़ी बन गए और इस प्रक्रिया में इतिहास रचा। 6-4, 5-7, 6-2, 0-6, 6-2 के स्कोर के साथ, दुनिया के 67वें नंबर के खिलाड़ी ने कैस्पर रूड को हराया, जो पिछले साल यूएस ओपन में उपविजेता रहे थे।

रूड पर उनकी जीत चीनी पुरुष टेनिस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, क्योंकि झांग के शानदार प्रदर्शन ने उनकी दृढ़ता को दिखाया।

समय के साथ, 26 वर्षीय झांग की उपलब्धियां बढ़ती गईं। पिछले दिनों, उन्होंने 86 वर्षों में फ्रेंच ओपन में मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाले चीन के पहले व्यक्ति बनकर इतिहास रचा था।

वह मैड्रिड ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में भी पहुंचे। रूड पर झांग की हालिया जीत अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर चीनी पुरुष टेनिस को बेहतर बनाने की उनकी प्रतिबद्धता और संकल्प का प्रमाण है।

यूएस ओपन के दूसरे दौर में स्विस खिलाड़ी डोमिनिक स्ट्राइकर ने सातवीं वरीयता प्राप्त यूनान के स्टेफानोस सितसिपास को पांच सेट के कड़े संघर्ष के बाद हराया। स्ट्राइकर ने रोमांचक मैच में सितसिपास को 7-5, 6-7(2), 6-7(5), 7-6(6), 6-3 के स्कोर से हराया और शीर्ष 10 में किसी खिलाड़ी पर अपनी पहली जीत हासिल की।

इस बीच, अमेरिकी फ्रांसिस टियाफो,टॉमी पॉल, कोको गॉफ और टेलर फ्रिट्ज ने यूएस ओपन में अपनी चमक जारी रखी और अमेरिकी प्रतिभा की ताकत का प्रदर्शन करते हुए तीसरे दौर में पहुंच गए।

वायकॉम 18 ने पांच साल के लिए हासिल किए बीसीसीआई के मीडिया राइट्स

मुंबई ,01 सितंबर 2023। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले पांच साल (2023-2028) के लिए मीडिया अधिकारों की नीलामी ई-ऑक्शन के जरिए कर दी है। वायकॉम18 ग्रुप ने ये राइट्स अपने नाम किए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। भारत में होने वाले घरेलू क्रिकेट मैचों के लिए टीवी और डिजिटल मीडिया के राइट्स बिक गए हैं। शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अगले 5 वर्षों के लिए टीवी और डिजिटल दोनों के लिए बीसीसीआई मीडिया अधिकार जीतने के लिए वॉयकाम18 को बधाई। भारतीय क्रिकेट दोनों ही क्षेत्रों में आगे बढ़ता रहेगा क्योंकि आईपीएल और डब्ल्यूपीएलटी20 के बाद हम बीसीसीआई मीडिया राइट्स के साथ साझेदारी भी बढ़ाएंगे।

इमरान ने दो धारी तलवार के लिए लगातार 4 रात की शिफ्ट में की शूटिंग

लंबे समय से सिनेमा से दूर रहे अभिनेता इमरान खान ने पुरानी यादों को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली को लेकर दिलचस्प किस्से साझा किए। इमरान ने इंस्टाग्राम पर मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली की कुछ रेट्रो तस्वीरें साझा की।उन्होंने लिखा, एक समय की बात है, इंस्टाग्राम नहीं था, इसलिए लोग अपनी तस्वीरों में रेट्रो प्रभाव जोड़ने के लिए हिपस्टैमैटिक ऐप का इस्तेमाल करते थे। यहां एमबीकेडी के सेट से कुछ रेट्रो तस्वीरें हैं, मुझे याद है कि मैंने दो धारी तलवार गाने के लिए कुछ डबल शिफ्ट में काम किया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने लगातार चार रातों तक दो धारी तलवार गाने की शूटिंग की और दिन के दौरान वह डेल्ही बेली के ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने कहा, इसे लगातार 4 रात की पालियों में शूट किया गया था, जबकि मैं एक ही समय में दिल्ली बेली से नक्कड़वाले डिस्को और स्विटी के संगीत वीडियो की शूटिंग दिन में कर रहा था। मैं दो सेटों के बीच चलते हुए अपनी कार में सोता था। मेरे ब्रदर की दुल्हन अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म में इमरान खान, कैटरीना कैफ, अली जफर और तारा डिसूजा हैं।

विक्की कौशल की द ग्रेट इंडियन फैमिली का पहला प्रोमो जारी

यश राज फिल्म्स की आगामी फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली है, जिसमें विक्की कौशल और मानुषी छिल्लर मुख्य भूमिकाओं में हैं।शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण अभिनीत पठान के बाद यह साल 2023 की दूसरी रिलीज है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अब निर्माताओं ने मंगलवार को द ग्रेट इंडियन फैमिली का पहला प्रोमो वीडियो जारी कर दिया है।इसके साथ निर्माताओं ने खुलासा किया कि फिल्म का टीजर बुधवार को जारी किया जाएगा।

वाईआरएफ ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर द ग्रेट इंडियन फैमिली का प्रोमो साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, दिल थाम के हो जाओ तैयार...मारे एंट्री- भजन कुमार। कल आ रहा हूं। अभी अपना रिमाइंडर सेट करें। फिल्म का निर्देशन विजय शंकर आचार्य द्वारा किया जाएगा।इसमें मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, सादिया सिद्दीकी, अलका अमीन और सृष्टि दीक्षित जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

विक्की कौशल का मानना है कि भारत की पारिवारिक संस्कृति ऐसी है कि हर परिवार ग्रेट इंडियन फैमिली के खिताब के योग्य है। फिल्म के गाने के लॉन्च इवेंट में एक्टर ने पहले फिल्म के गाने कन्हैया ट्विटर पे आजा पर परफॉर्म किया। इसके बाद उन्होंने कहा, हर परिवार ग्रेट इंडियन फैमिली के खिताब के योग्य है। हमारी पारिवारिक संस्कृति भारत को अनोखा बनाती है। इसके बाद उन्होंने भारतीय परिवारों की गतिशीलता के बारे में बात की।एक्टर ने एक निजी किस्सा साझा किया, सभी रिश्तेदार हमारे करीब हैं, बस इसी वजह से हम उन्हें दूर की मौसी कहते हैं, कोई भी दूर का नहीं है। भारतीय पारिवारिक संस्कृति में परिवार के सभी लोग एक-दूसरे के करीब होते हैं। मुझे याद है कि मेरी एक मौसी ने कहा था, तू जब हुआ था ना तब सबसे पहले मैं थी तेरे पास, तेरे पापा भी नहीं थे। द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होगी।

हैवी सीक्वेंस शॉर्ट ड्रेस में नोरा फतेही ने ढाया गजब,हॉट अदाओं का लगाया तड़का

नोरा फतेही अपने किसी भी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आएं या न आएं, लेकिन अपने लुक्स की वजह से वह अक्सर खबरों में आ ही जाती हैं. नोरा ने अपनी हर अदा का जादू दुनियाभर के लोगों पर खूब चलाया है. आज फैंस उनकी एक झलक देखने के लिए बेताब रहते हैं. एक्ट्रेस भी चाहने वालों के साथ जुड़ने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देतीं. ऐसे में एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक शेयर करती रहती हैं.

कुछ देर पहले ही नोरा ने फिर अपने नए लुक से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस ने वेस्टर्न टच के साथ देसी तड़का लगाया है.

तस्वीरों में नोरा छोटी सी हैवी स्टोन वर्क वाली फुल स्लीव्स ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं. नोरा ने हुस्न के जलवे बिखेरते हुए अपने कई पोज कैमरे के सामने दिए हैं.

नोरा ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और पिंक न्यूड आई मेकअप से कंप्लीट किया है. इसके साथ एक्ट्रेस ने बालों की लंबी चोटी बनाकर बांधा हुआ है. वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर नोरा ने कानों में हैवी डायमंड ईयररिंग्स और दोनों हाथों में डायमंड रिंग्स कैरी की हैं. एक्ट्रेस की अदाओं पर अब चाहने वालों की नजरें टिकी रह गई हैं. नोरा के फैंस ने उन पर प्यार लुटाते हुए कई कमेंट्स किए हैं. दूसरी ओर सिर्फ 3 घंटों में एक्ट्रेस की फोटोज पर करीब डेढ़ लाख लाइक्स आ चुके हैं, जो हर मिनट तेजी से बढ़ रहे हैं.

गौरतलब है कि नोरा फतेही इन दिनों ओटीटी डांस रियलिटी शो हिप हॉप इंडिया में जज की कुर्सी संभालते हुए नजर आ रही हैं. इसके अलावा एक्ट्रेस के पास कई फिल्में भी पाइपलाइन में हैं. जल्द ही नोरा 100 पर्सेंट से बन रही फिल्म में नजर आने वाली हैं. इसके बाद उन्हें मडगांव एक्सप्रेस, डांसिंग डैड और मटका टाइलट से बन रही फिल्मों में भी देखा जाने वाला है.

राजीव युवा मितान सम्मेलन

2 सितंबर 2023

मेला स्थल, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि

श्री राहुल गांधी

माननीय सांसद

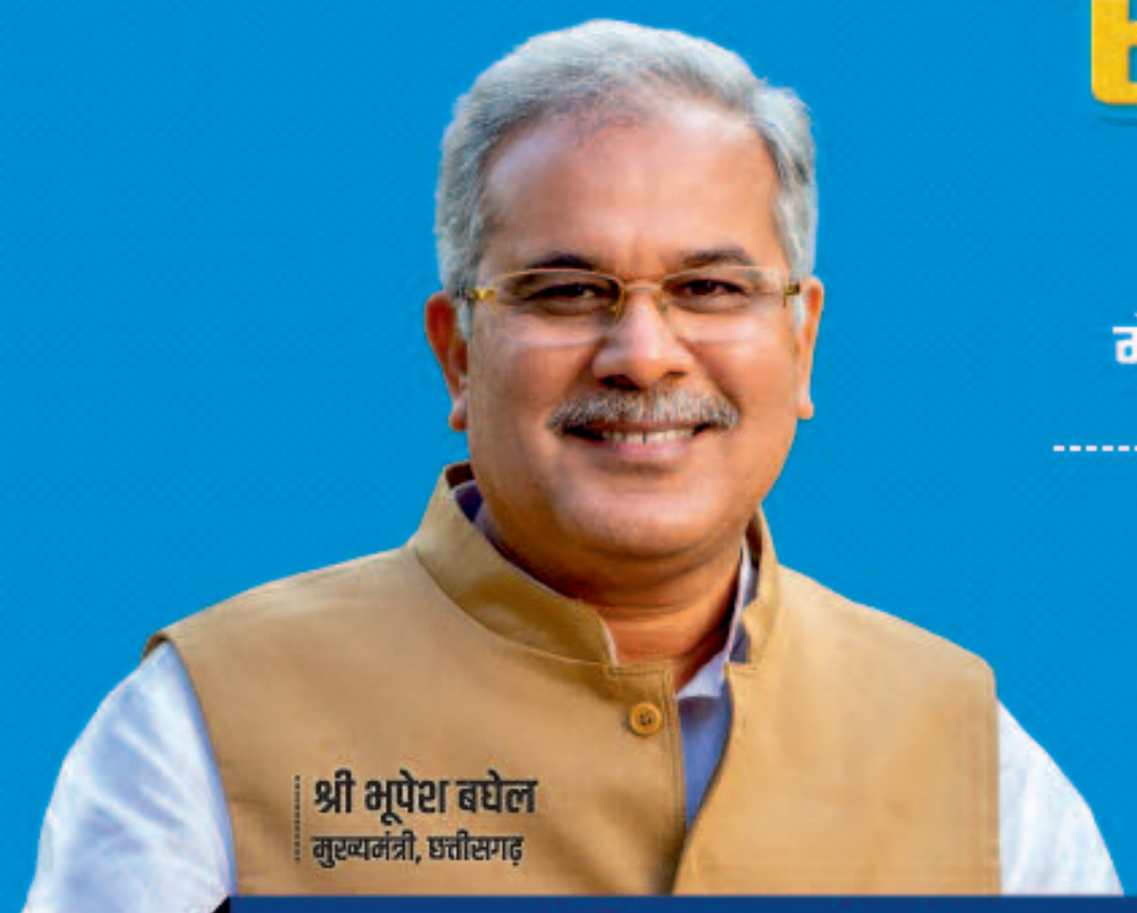

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

किया वादे से ज्यादा, भरोसा बरकरार
युवाओं के साथ छत्तीसगढ़ सरकार

सरकारी नौकरी के सपने हो रहे पूरे
42,000 विभिन्न शासकीय पदों पर भर्ती जारी

आकांक्षाओं पर निवेश
शिक्षित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2,500 रु भत्ता

मजबूत भविष्य को आकार
कौशल विकास प्रशिक्षण से
4.68 लाख युवाओं का भविष्य मजबूत

युवाओं को आर्थिक राहत
सीजीव्यापम और सीजीपीएससी
की परीक्षाओं की फीस माफ

रोजगार मेला - सफलता की राह
18,666 युवाओं के हाथों में रोजगार-स्वरोजगार

उज्ज्वल भविष्य का निर्माण
10 नए स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय

स्कूली शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा
हायर-सेकेंडरी में भी आईटीआई शिक्षा और प्रमाण पत्र

तकनीकी प्रशिक्षण से रोजगार की राह आसान
194 आईटीआई संचालित, 36 शासकीय आईटीआई
का टाटा टेक्नोलॉजीस के साथ एमओयू

मजबूत युवा हाथों में निर्माण की जिम्मेदारी
ब्लॉक स्तर पर पंजीकृत युवा इंजीनियरों को दिए जा रहे
20 लाख रु तक के निर्माण कार्य

निखर रहीं खेल प्रतिभाएं
4 आवासीय, 3 गैर आवासीय खेल अकादमियां,
24 खेलो इंडिया सेंटर स्थापित
8 नई खेल अकादमियां प्रस्तावित

जमीनी स्तर की युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा
13,242 राजीव युवा मितान क्लबों के माध्यम से
3.33 लाख युवाओं का सशक्तीकरण

मजबूत नींव
33 जिलों में अजा. अजजा. वर्ग के युवाओं
के लिए नि:शुल्क कोचिंग

संवाद 38296/65

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)